page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/17/2025 1:26 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 पुलवामा में पुलिस ने नशीले पदार्थों के तस्कर को गिरफ्तार किया

5 भारत में मिले अपार स्नेह से अभिभूत मेसी बोले, यह अनुभव यादगार, फिर लौटेंगे

8 गोबर की लकड़ी बनाने का व्यवसाय

मौसम जम्मू — न्यूनतम 11 — अधिकतम 21

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-309 | जम्मू तवी, बुधवार 17 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

DIP/J- 9044/25
Dtd: 16-12-2025

पोलियो पर विजय का सिलसिला जारी रहे!

जीवन की दो बूँदें

भारत पोलियो मुक्त है। लेकिन कुछ देशों में पोलियो अभी भी मौजूद है और यह वापस आ सकता है। अपने बच्चे की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करें। पोलियो का टीका समय पर लगवाना सुनिश्चित करें ताकि भारत पोलियो पर अपनी जीत बरकरार रख सके।

Polio Day
21 December 2025
Sunday
In all districts
Ensure every child under 5 years of age gets polio drops everytime

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, जम्मू एवं कश्मीर

@informationprjk | Information & PR, J&K | @diprjk | @dipr_jk

1971 के युद्ध में भारत की निर्णायक जीत ने देश को वैश्विक मंच पर गौरवान्वित किया: सिन्हा

जम्मू, 16 दिसंबर। विजय दिवस के अवसर पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज अखनूर के कछरियाल में 108 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज स्तंभ का अनावरण किया। उपराज्यपाल ने 1971 के युद्ध में अपने शौर्य और बलिदान से देश को गौरवान्वित करने वाले शहीदों, सैनिकों और अधिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने युद्ध के दिग्गजों और वीर नारियों को सम्मानित किया और राष्ट्र के लिए उनके साहस और बलिदान को सलाम किया।

उपराज्यपाल ने कहा कि कछरियाल की भूमि न केवल ऐतिहासिक महत्व रखती है बल्कि यह देशवासियों के लिए एक पवित्र भूमि भी है क्योंकि इस स्थान का हर इंच उन बहादुर सैनिकों को कृतज्ञतापूर्वक याद करता है जिन्होंने 1965 और 1971 के युद्धों में राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उपराज्यपाल ने व्हाइट नाइट कोर (16 कोर) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल पी.के. मिश्रा को 108 फीट ऊंचे

राष्ट्रीय ध्वज स्तंभ को स्थापित करने के इस अत्यंत सराहनीय कार्य के लिए बधाई दी। उन्होंने इस ऐतिहासिक पहल में उल्लेखनीय योगदान के लिए फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया की भी सराहना की। हमारा प्रिय और विजयी तिरंगा विश्व में शान से लहराता रहे। हमारा तिरंगा हमारी स्वतंत्रता, हमारे

उपराज्यपाल सिन्हा ने अखनूर के कछरियाल में 108 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज स्तंभ का किया अनावरण

आत्मसम्मान और बलिदानों एवं शहादतों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आइए हम सब मिलकर भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के महान सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ें।

इस अवसर पर उत्तरी कमान के कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी) लेफ्टिनेंट जनरल पी के मिश्रा, जीओसी व्हाइट नाइट कोर (16 कोर) मेजर जनरल एचएस बराड़, जीओसी 10 रैपिड ब्रिगेडियर दयानंद शर्मा, कमांडर पल्लनवाला ब्रिगेड मेजर जनरल आशीष कोहली (सेवानिवृत्त), मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया, वरिष्ठ अधिकारी, युद्ध के दिग्गज, वीर नारी और छात्र उपस्थित थे।

सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा विधि संशोधन) विधेयक 2025 लोकसभा में ध्वनिमित से पारित

नयी दिल्ली, 16 दिसंबर। बीमा क्षेत्र में सौ फीसदी विदेश निवेश (एफडीआई) की अनुमति तथा जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को ज्यादा स्वायत्तता देने वाले सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा विधि संशोधन) विधेयक 2025 को लोकसभा ने मंगलवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि बीमा विधेयक पर 34 सदस्यों ने विधेयक पर हुई चर्चा में हिस्सा लिया और उन्होंने जो सवाल उठाए हैं वे वाजिब हैं लेकिन विधेयक में उन सब चिंताओं को ध्यान में रखे हुए विधेयक तैयार कर सदस्यों के सवालों का जवाब निहित है। यह विधेयक विनियामक की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है और जिम्मेदारी को पारदर्शी तरीके से लागू करता है। इसमें किसी भी डेटा को बाहर नहीं लाया जाएगा इसका सख्ती से पालन करने का प्रावधान विधेयक में किया गया है। 14 लाख एजेंटों के बारे में चिंता व्यक्त की गई है और सरकार उनकी सेवाओं को बहुमूल्य मानती है क्योंकि वही बीमा योजना को जमीन

पर ले जाते हैं इसलिए उनके महत्व को ध्यान में रखा गया है और उसको सुरक्षित रखते हुए उनकी पहुंच को और भी बढ़ाया जा सकता है। विधेयक में जीवन बीमा को ज्यादा स्वायत्तता भी दी गई ताकि वह अपने हिसाब से जनता के हित में अपना काम को करे और काम का विस्तार करती रहे। इस संशोधन से बीमा योजना को ज्यादा पारदर्शी बनाया जा रहा है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि इस विधेयक से जीवन बीमा कंपनी-एलआईसी को ज्यादा स्वायत्त बनाया जा रहा है ताकि वह देशभर में अपनी ज्यादा शाखाएं खोल सके। इसके साथ ही विनियामक संस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है ताकि बीमा क्षेत्र से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ा जा सके। इसमें दंड के प्रावधान को एक करोड से बढ़ाकर दस करोड़ रुपए कर दिया गया ताकि बीमा कंपनियां बीमा धारकों की समस्याओं के समाधान में तत्परता दिखाए और किसी को किसी तरह से तंग नहीं होना पड़े। उनका यह भी कहना था कि बीमा कंपनी में इंश्योरेंस शब्द जोड़ने का प्रावधान इस विधेयक में आवश्यक किया गया है ताकि आसानी से इस तरह की कंपनियों की पहचान की जा सके और भ्रमित तरीके से पॉलिसी को बेचने पर रोक लगाई जा सके।

खबर संक्षेप

खनिज परिवहन के लिए 26 जनवरी, 2026 तक जीपीएस, आरएफआईडी और ई-चालान अनिवार्य : मुख्य सचिव

जम्मू, तवी, 16 दिसंबर। मुख्य सचिव अटल दुल्लू ने 16 दिसंबर मंगलवार 2025 को खनन विभाग की एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें जम्मू-कश्मीर में अवैध खनन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से खनन क्षेत्र में सुधारों, राजस्व वसूली उपायों, तकनीकी हस्तक्षेपों और प्रवर्तन तंत्रों की प्रगति का आकलन किया गया। बैठक के दौरान, मुख्य सचिव ने नीतिगत सुधारों को लागू करने, खनिज

ब्लॉकों की नीलामी और निगरानी प्रणालियों को मजबूत करने में विभाग के प्रदर्शन की समीक्षा की, साथ ही खनिज संसाधनों से पारदर्शिता, स्थिरता और राजस्व को अधिकतम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर, मुख्य सचिव ने आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से लैस एक मजबूत और कुशल खनन निगरानी प्रणाली बनाने में बी.आई.एस.ए.जी-एन की भूमिका की सराहना की। उन्होंने वाहन ट्रैकिंग प्रणाली, सार्वजनिक शिकायत निवारण मंच और प्रमुख निकास बिंदुओं पर स्थापित एटीएमसी कैमरों का लाइव प्रदर्शन देखा, और अवैध खनन और खनिजों के अनधिकृत परिवहन को रोकने में प्रणाली की क्षमता पर संतोष व्यक्त किया। खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक मूल्यांकन के महत्व पर जोर देते हुए, मुख्य सचिव ने विभाग को एम.ई.सी.एल के माध्यम से लिग्नाइट, संगमरमर, ग्रेफाइट और ग्रेनाइट जैसे प्रमुख खनिज ब्लॉकों का जी3-चरण भूवैज्ञानिक अध्ययन करने का निर्देश दिया, ताकि खनिज भंडार का स्पष्ट अनुमान लगाया जा सके और भविष्य की नीलामियों के दौरान बेहतर निवेशक प्रतिक्रिया आकर्षित की जा सके। मुख्य सचिव ने विभाग से विभिन्न जिलों में 110 गैर-परिचालन वाले छोटे खनिज ब्लॉकों के संचालन में तेजी लाने का आग्रह किया ताकि उनकी राजस्व क्षमता को खोला जा सके और विकासात्मक कार्यों के लिए निर्माण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

आतंक से जुड़े नेटवर्क पर सीआईके ने घाटी भर में चलाया तलाशी अभियान, 12 लोग हिरासत में

श्रीनगर, 16 दिसंबर । काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने मंगलवार को सामाजिक सक्रियता की आड़ में सक्रिय आतंकी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू की। घाटी के कई जिलों में समन्वित तलाशी अभियान चलाते हुए 12 संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। यह कार्रवाई श्रीनगर स्थित एनआईए अधिनियम के तहत नामित विशेष न्यायाधीश न्यायालय के तलाशी वारंट के माध्यम से उचित प्राधिकरण प्राप्त करने के बाद की गई। यह मामला विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू हुआ है, जिसमें बताया गया है कि जम्मू-कश्मीर में कुछ व्यक्ति जनसंचार माध्यमों, सोशल मीडिया, मानवाधिकार संगठनों, पर्यावरण और महिला सशक्तिकरण से जुड़े मंचों का इस्तेमाल भारत की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा के लिए गंभीर रूप से हानिकारक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कर रहे थे। गोपनीय जांच में आगे पता चला कि उनके अलगाववादी समूहों और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से

संदिग्ध संबंध थे। जांच में यह भी सामने आया है कि इनमें से कुछ व्यक्ति कथित तौर पर एन्क्रिप्टेड संचार एप्लिकेशन का उपयोग करके पाकिस्तान स्थित आतंकी संचालकों के संपर्क में थे। उन पर झूठी बातें फैलाने, आतंकवादियों और आतंकवाद का महिमामंडन करने, आसानी से प्रभावित होने वाले युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और जम्मू-कश्मीर में सार्वजनिक व्यवस्था और शांति को व्यवस्थित रूप से बाधित करने के प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल होने का संदेह है।

उधमपुर के मजालता में एसओजी जवान के बलिदान के बाद तलाशी अभियान तेज

उधमपुर, 16 दिसंबर । सोमवार को हुई मुठभेड़ में एक एसओजी जवान के बलिदान होने के एक दिन बाद सुरक्षा बलों ने मंगलवार को उधमपुर के मजालता में आतंकवादियों की तलाश तेज कर दिया है। सोमवार को हुई मुठभेड़ में एक आतंकवादी के भी घायल होने की आशंका है, जबकि दो पुलिसकर्मियों को मामूली गोली लगी हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने के लिए इलाके में अभियान फिर से शुरू कर दिया गया है। घेराबंदी और मजबूत कर दी गई है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) की एक संयुक्त टीम, सेना और सीआरपीएफ के साथ मिलकर खोजी कुत्तों की मदद से तलाशी अभियान में जुटी है। सोमवार को उधमपुर के मजालता क्षेत्र के सोआन गांव में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) संगठन से जुड़े माने जा रहे तीन आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षा बलों ने सोमवार को तलाशी अभियान चलाया था। घेराबंदी वाले गांव में शाम करीब छह बजे मुठभेड़ शुरू हुई और कुछ देर तक चली, जिसमें पुंछ जिले के मेंढर उपजिले के साल्वा निवासी एसओजी जवान अमजद पठान घायल हो गए और बाद में दम तोड़ दिया। आईजीपी जम्मू भीम सेन टूटी ने बताया कि एसओजी की एक छोटी टीम ने आतंकवादियों से मुकाबला किया। अंधेरे और दुर्गम इलाके के कारण जंगल की तलाशी में बाधा आ रही है। उधमपुर का बसंतगढ़ उस रास्ते पर स्थित है, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तानी आतंकवादी कदुआ स्थित अंतरराष्ट्रीय सीमा से जम्मू के डोडा और किश्तवाड जिलों में घुसने और आगे कश्मीर घाटी में जाने के लिए पारंपरिक रूप से करते हैं। उन्होंने बताया कि पठान के शव का पोस्टमार्टम होना बाकी है और इसके बाद उधमपुर में पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया जाएगा।

21 दिसंबर को 11 लाख बच्चों को कवर करने के लिए 5,000 पोलियो बूथ

जम्मू तवी, 16 दिसंबर। भारत के पोलियो-मुक्त दर्जे को बनाए रखने के बड़े प्रयास में, स्वास्थ्य विभाग ने जम्मू और कश्मीर में 5,000 से ज़्यादा पोलियो टीकाकरण बूथ स्थापित किए हैं, जिनका लक्ष्य 21 दिसंबर, 2025 को होने वाले पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के दौरान पांच साल से कम उम्र के 11 लाख बच्चों को कवर करना है। माता-पिता और देखभाल करने वालों से अनुरोध करते हुए कि वे बताई गई तारीख पर अपने बच्चों को नज़दीकी बूथ पर लाएँ, स्वास्थ्य अधिकारियों ने अपना संकल्प दोहराया कि कोई भी बच्चा जीवन बचाने वाली पोलियो की बूंदों से वंचित न रहे, जो दो बूंद ज़िंदगी की अभियान के नारे के तहत दी जाती हैं। पत्रकारों से बात करते हुए, सहायक निदेशक परिवार कल्याण, डॉ. मोहम्मद रमज़ान मीर ने कहा, भले ही भारत एक दशक से ज़्यादा समय से पोलियो-मुक्त है, लेकिन लगातार सतर्कता ज़रूरी है

विधायक अली मोहम्मद सागर ने सार्वजनिक उपक्रमों पर समिति की बैठक की अध्यक्षता की

जम्मू, 16 दिसंबर । जम्मू और कश्मीर विधानसभा की लोक उपक्रम समिति (पीयूसी) की बैठक आज विधायक अली मोहम्मद सागर की अध्यक्षता में विधानसभा परिसर में हुई। इस बैठक में सार्वजनिक उपक्रम विभाग (जेकेपीसीसी) से संबंधित लेखापरीक्षा अनुच्छेदों पर चर्चा और विचार-विमर्श किया गया। सीएजी की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुच्छेद 7.1, 7.2 और 7.3 में उल्लिखित विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। ये अनुच्छेद जम्मू और कश्मीर परियोजना निर्माण निगम (जेकेपीसीसी) से संबंधित हैं। जम्मू और कश्मीर के महालेखाकार त्सेवांग थारचिन ने लेखापरीक्षा अनुच्छेदों के मुद्दों पर प्रकाश डाला। सार्वजनिक उपक्रम विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनिल कुमार सिंह ने समिति को लेखापरीक्षा अनुच्छेदों में उल्लिखित मुद्दों को हल करने के लिए उठाए जा रहे कदमों और विभाग की चल रही परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी। वित्त निदेशक (सार्वजनिक उपक्रम) और एमडी, जेकेपीसीसी ने जेकेपीसीसी की देनदारियों की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी।

बारूदी सुरंग विस्फोट में जवान बलिदान

कुपवाड़ा, 16 दिसंबर । जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एक बारूदी सुरंग विस्फोट में सेना का एक जवान बलिदान हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि सीमावर्ती जिले के त्रेहगाम इलाके की पुताहा खान गली में हुए बारूदी सुरंग विस्फोट में सेना की 13वीं जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री के हवलदार जुबैर अहमद घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घायल जवान को ड्रगमुल्ला स्थित सैन्य अस्पताल ले जाया गया लेकिन वहां पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

सालों की उपेक्षा के बाद, उमर अब्दुल्ला सरकार के तहत जम्मू शहर राहत की सांस ले रहा: डॉ. फारूक

श्रीनगर, 16 दिसंबर । नेशनल कॉन्फ्रेंस (जे.के.एन.सी) जम्मू जिला शहरी का एक प्रतिनिधिमंडल, जिसका नेतृत्व जिला अध्यक्ष जम्मू, चंदर मोहन शर्मा कर रहे थे, समाचार एजेंसी दैनिक यंग ऑर्गेनाइज़र जम्मू से वरिष्ठ संवाददाता कपीश सिद्धार्थ के अनुसार,16 दिसंबर मंगलवार 2025 को पार्टी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला से जम्मू में उनके आवास पर मिला। बैठक के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने पार्टी अध्यक्ष को विभिन्न लंबे समय से लंबित सार्वजनिक मुद्दों के बारे में बताया, जो उनके अनुसार भाजपा के कुशासन के कारण पिछले एक दशक में जमा हो गए थे। प्रतिनिधिमंडल ने उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पिछले दस वर्षों के दौरान जम्मू शहर को हुए नुकसान को ठीक करने के लिए शुरू किए गए सुधारात्मक और विकासात्मक उपायों की भी सराहना की। प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. अब्दुल्ला के साथ संगठनात्मक और पार्टी मामलों पर चर्चा की, जिन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस अलोकतांत्रिक शासन के वर्षों के दौरान लोगों द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों और चुनौतियों से पूरी तरह अवगत है। उन्होंने कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार लोकतांत्रिक संस्थानों में लोगों का विश्वास बहाल करने के लिए तेजी से कदम उठा रही है। डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि चुनी हुई सरकार ने न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में जनता का विश्वास बहाल किया है, बल्कि सत्ता के गलियारों को आम लोगों के लिए भी खोल दिया है।

'भारत ने पाक सीमा के 93 प्रतिशत से ज़्यादा हिस्से पर बाड़ लगाई'

नई दिल्ली, 16 दिसंबर। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि भारत ने पाकिस्तान के साथ अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमा के 93त्न से ज़्यादा हिस्से पर बाड़ लगा दी है। तृणमूल कांग्रेस के दो सांसदों, जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया और शर्मिला सरकार के भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के बिना बाड़ वाले हिस्सों के बारे में एक सवाल के लिखित जवाब में, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा को बताया कि 2,135.136 किलोमीटर पर बाड़ लगाने का काम पूरा हो गया है, जो कुल 2,289.66 किलोमीटर लंबी भारत-पाकिस्तान सीमा का 93.25 प्रतिशत है। जवाब में यह भी कहा गया कि बाकी 154.524 किलोमीटर, या 6.75 प्रतिशत पर अभी बाड़ लगाना बाकी है। इसमें कहा गया है कि सीमा पर बाड़ लगाना घुसपैठ को रोकने और राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाने की भारत की रणनीति का एक अहम हिस्सा है। खास बात यह है कि कुल मिलाकर, भारत की 15,106.7 किमी की ज़मीनी सीमा और 7,516.6 किमी की तटरेखा है, जो सात पड़ोसी देशों के साथ सीमाएँ साझा करती है। पाकिस्तान सीमा पर बाड़ लगाने के सरकार के प्रयास भारत की संवेदनशील पश्चिमी सीमा को सुरक्षित करने के बड़े उपायों का हिस्सा हैं।

उमर अब्दुल्ला सरकार जम्मू के खिलाफ भेदभाव को संस्थागत बनाने के लिए खेल का इस्तेमाल करती है : पवन शर्मा

जम्मू, 16 दिसंबर । 24 में से 20 खिलाड़ी कश्मीर से चुने गए, खेल मंत्री सतीश शर्मा की चुप्पी मिलीभगत के बराबर है। भाजपा जम्मू-कश्मीर के राज्य सचिव पवन शर्मा ने आज उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार पर संतोष ट्रॉफी के लिए जम्मू-कश्मीर फुटबॉल टीम के चयन में जानबूझकर राजनीतिकरण करने और हेरफेर करने का आरोप लगाया जिससे जम्मू के खिलाफ क्षेत्रीय भेदभाव को संस्थागत बनाया गया।

उन्होंने खेल मंत्री सतीश शर्मा को सीधे तौर पर पूर्वाग्रह और पक्षपात से प्रेरित चयन घोटाले के

लिए जिम्मेदार ठहराया। शर्मा ने कहा कि चयन ने वर्तमान सरकार की जम्मू विरोधी मानसिकता को उजागर कर दिया है जो जम्मू को दोयम दर्जे का क्षेत्र मानती है यहां तक कि खेल जैसे क्षेत्रों में भी जिन्हें पूरी तरह से योग्यता-आधारित और अराजनीतिक रहना चाहिए। स्पष्ट असंतुलन पर प्रकाश डालते हुए शर्मा ने खुलासा किया कि अंतिम टीम में 24 में से 20 खिलाड़ियों को कश्मीर से चुना गया है जिससे जम्मू को उसके आकार, जनसंख्या और फुटबॉल में योगदान के बावजूद केवल प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व तक सीमित कर दिया गया है।

शर्मा ने कहा कि यह चयन नहीं है यह डिजाइन द्वारा बहिष्कार है। यह खेल नहीं है, यह युवा करियर पर थोपी गई राजनीति है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आंकड़े बिना किसी संदेह के सरकार पर आरोप लगाते हैं।

अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि

इतिहास से भी पुराना
बनारस

यह कहना शायद मिथ्या होगी कि विश्व में ऐसा कोई हिन्दू है, जो कि उत्तरप्रदेश में गंगा नदी के पावन तट पर बसे काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी के बारे में नहीं जानता। वाराणसी के साथ ही साथ इसे बनारस और काशी के नाम से भी जाना जाता है, जो कि विश्व के प्राचीनतम नगरों में से एक है। अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि। यह दोनों नदियां काशी में गंगा में समाहित हो जाती है, जिस कारण से इसका नाम वाराणसी पड़ा। पुराणों के अनुसार काशी का निर्माण स्वयं भगवान शिव और देवी पार्वती के द्वारा किया गया था और इसीलिये इसे तीर्थों का तीर्थ समझा जाता है।

कहां ठहरें

होटल ताज गंगेज़, होटल सिद्धार्थ, होटल गौतम ग्रैंड, होटल इंडिया, प्रीति गेस्ट हाउस, अम्बिका लॉज, होटल मोती महल

कब जाएं

वैसे तो वाराणसी का मौसम हर समय सुहाना रहता है, लेकिन अगर आप वाराणसी जाना चाहते हैं, तो सबसे अच्छा समय सितंबर से मार्च को होगा, जब आप बारिश या गर्मी की समस्या के बिना आराम से पूरा नगर घूम सकते हैं।

कैसे पहुंचें

रेल द्वारा: वाराणसी भारतीय रेलवे का एक मुख्य स्टेशन है। भारत के कई प्रमुख नगरों से वाराणसी के लिये सीधी ट्रेनें उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त वाराणसी से मात्र 16 किमी की दूरी पर स्थित मुगलसराय एक अन्य निकटतम प्रमुख स्टेशन है, जो कि भारत का सबसे बड़ा रेलवे यार्ड है।

सड़क द्वारा: वाराणसी एनएच 2, एनएच 7 और एनएच 29 के द्वारा भारत के सभी प्रमुख नगरों से जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्यप्रदेश के सभी निकटतम प्रमुख नगरों से बस सेवा भी उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त आप निजी वाहन का प्रयोग भी कर सकते हैं।

वायुयान द्वारा: बाबतपुर एयरपोर्ट वाराणसी का प्रमुख एयरपोर्ट है, जो कि वाराणसी से 18 किमी की दूरी पर स्थित है।

क्यों देखें

चौरासी घाट: पवित्र गंगा नदी के तट को कुल चौरासी घाटों में विभाजित किया गया है, जिनमें स्नान करके शुद्ध होने के बाद ही श्रद्धालु काशी विश्वनाथ के दर्शन को जाते हैं। वैसे तो लगभग सभी घाटों का कोई न कोई ऐतिहासिक महत्व है, लेकिन कुछ घाट ऐसे भी है, जो कि धार्मिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जैसे, काशी विश्वनाथ मंदिर के सबसे निकट स्थित दशाश्वमेध घाट के लिये माना जाता है कि यहां पर भगवान ब्रह्मा ने दस अश्वों की बलि दी थी। मणिकर्णिका घाट के लिये यह माना जाता है कि शिव के नृत्य करते समय यहीं पर उनके कान की मणि गिरी थी। हरिश्चन्द्र घाट के लिये यह किवदंती है कि इस घाट पर स्थित श्मशान पर ही राजा हरिश्चन्द्र काम किया करते थे। काशी का सबसे पहला घाट अस्सि घाट है और सबसे आखिरी आदि केशव घाट जिसे वेदेश्वर घाट भी कहते हैं। गंगा दशहरा के दिन यहां एक शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है, जो कि अस्सि घाट से वेदेश्वर घाट तक जाती है।

काशी विश्वनाथ: बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ का मंदिर भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में स्थित भगवान शिव के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर की प्राचीनता का अंदाजा लगाना तो आज भी संभव नहीं है क्योंकि इस मंदिर का वर्णन पुराणों में भी किया गया है। वैसे तो इस मंदिर को कई बार क्षतिग्रस्त किया गया और कई बार इसका पुनर्निर्माण भी करवाया गया, लेकिन वर्तमान मंदिर का निर्माण इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा सन् 1780 में करवाया गया था, जिसके बाद सन् 1835 में पंजाब के राजा महाराज रणजीत सिंह जी द्वारा इस मंदिर के गुंबदों पर करीब एक हजार किलोग्राम सोना लगवाया गया।

संकटमोचन मंदिर: काशी में असि नदी के किनारे रामभक्त हनुमान के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक संकटमोचन मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण गोस्वामी तुलसीदास के द्वारा करवाया गया था। हनुमान जी को संकटमोचन के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है सभी संकटों को हरने वाला। इस मंदिर को वानर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यहां पर कई मंदिर है, जिन्हें प्रसाद दिए बिना आपका मंदिर से बाहर जा पाना मुश्किल है।

भारत माता मंदिर: वाराणसी का भारत मंदिर भारत माता को समर्पित किया गया एक मंदिर है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कैंपस में स्थित इस मंदिर का निर्माण बाबू शिव प्रसाद गुप्ता जी के द्वारा करवाया गया था, जिसका उद्घाटन सन् 1936 में महात्मा गांधी के हाथों से हुआ था। इस मंदिर में संगमरमर का बना भारत का एक नक्काशीदार मानचित्र है।

तुलसी मानस मंदिर: तुलसी मानस मंदिर का निर्माण वाराणसी के नागरिकों द्वारा किया गया था। यह मंदिर मूलरूप से भगवान राम और उनके जीवनचरित्र को समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण उसी स्थान पर करवाया गया है, जहां पर गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना की थी। इस मंदिर में एक रामचरितमानस का वर्णन करती हुई एक विद्युत प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाता है।

बिड़ला मंदिर: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के एक भाग के रूप में स्थित नए विश्वनाथ मंदिर को ही बिड़ला मंदिर कहते हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय द्वारा योजनाबद्ध किये गये इस मंदिर का निर्माण भारत के अत्यंत प्रतिष्ठित औद्योगिक घराने बिड़ला परिवार द्वारा करवाया गया था। इस मंदिर के द्वार हर धर्म के लोगों के लिये खुले हैं।

कालभैरव मंदिर: कालभैरव मंदिर मुख्य पोस्ट ऑफिस विश्वेश्वरगंज के पास स्थित एक प्राचीन मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि कालभैरव काशी के रखवाले हैं और उनकी आज्ञा के बिना कोई भी बनारस में ठहर नहीं सकता है। इसीलिये उन्हें वाराणसी का कोतवाल भी कहते हैं।

सारनाथ: वाराणसी से करीब 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित सारनाथ भगवान बुद्ध को समर्पित है। सारनाथ बौद्ध धर्म का धार्मिक केन्द्र और चार तीर्थों में से एक है। बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति के बाद भगवान बुद्ध ने सारनाथ में ही अपने पांच शिष्यों को अपने पहले उपदेश दिये थे। सारनाथ में प्रवेश करते ही सबसे पहला महत्वपूर्ण स्थान चौखंडी स्तूप स्थित है, जिसका निर्माण सम्राट अशोक द्वारा करवाया गया था। धमेक स्तूप भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्तूप है और इसी के पास स्थित मूलगंध कुटि विहार भी स्थित है, जो कि एक बौद्ध मंदिर है। इसके अतिरिक्त सारनाथ में अन्य कई बौद्ध मंदिर भी है, जैसे कि चीनी मंदिर, तिब्बती मंदिर, जापानी मंदिर आदि। सारनाथ संग्रहालय भी सारनाथ के प्राचीन इतिहास का एक झरोखा देखने के लिये एक अच्छा स्थान है।

रामनगर: वाराणसी से मात्र 14 किमी की दूरी पर रामनगर स्थित है, जो कि रामनगर किले के लिये प्रसिद्ध है। गंगा नदी के किनारे इस किले का निर्माण सन् 1750 में वाराणसी के राजा के द्वारा करवाया गया था, लेकिन यह आज अपने संग्रहालय के लिये प्रसिद्ध है, जिसमें विंटेज कार, शाही पालकी, तलवारें, बंदूकें आदि सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त भी वाराणसी में कई अन्य महत्वपूर्ण स्थान है, जैसे कि अन्नपूर्णा मंदिर, भारत कला भवन, काशी विद्यापीठ, दुर्गा मंदिर, जैन मंदिर आदि।

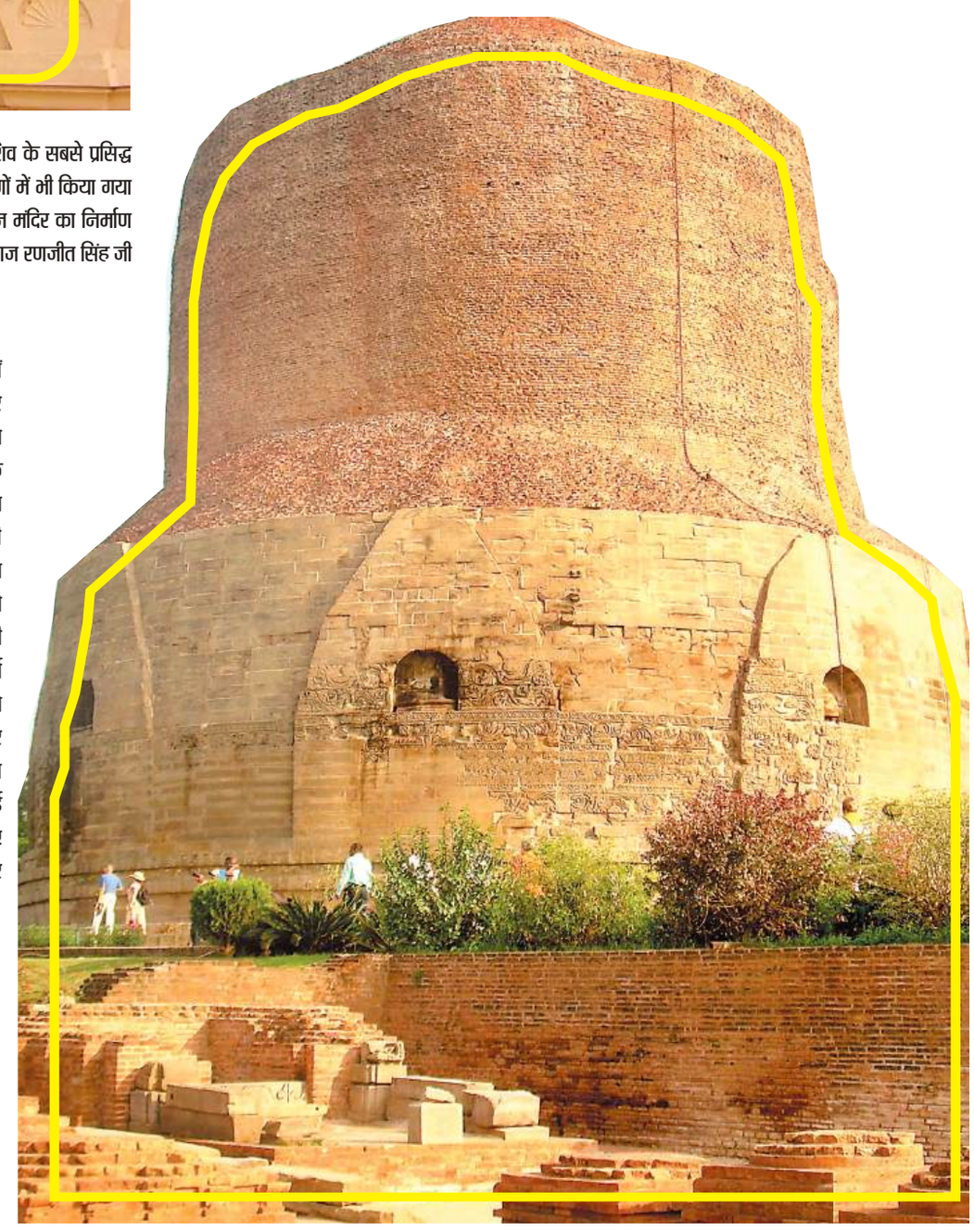

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

बलिदानी एसओजी के जवान को दी गई श्रद्धांजलि

जम्मू, 16 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू संभाग के उधमपुर में मंगलवार को एक विशेष अभियान समूह (एसओजी) के जवान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पुष्प अर्पित किए गए। जवान जिले के मजालता क्षेत्र के सोआन मारथा गांव में आतंकवादियों से लड़ते हुए सोमवार को बलिदान हो गए थे।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बल इलाके में आतंकवादियों की तलाश जारी रखे हुए हैं और अभियान अभी भी चल रहा है। पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने उधमपुर के जिला पुलिस लाइंस में आयोजित इस समारोह का नेतृत्व किया जिसमें भारतीय रिजर्व पुलिस (आईआरपी) की 22वीं बटालियन के कांस्टेबल अमजद अली खान को श्रद्धांजलि दी गई। डीजीपी नलिन प्रभात, आईजीपी (जम्मू जोन) भीम सेन तूती, उपायुक्त सलोनी राय, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, सीआरपीएफ कर्मियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने शहीद को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। अधिकारियों ने बताया कि शहीद जवान को अंतिम विदाई देते हुए बंदूक की सलामी दी गई जिसके बाद उनके पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए उनके गृह नगर पुंछ जिले के मेंढर सीमावर्ती क्षेत्र भेज दिया गया।

खान उधमपुर जिले के सोआन इलाके में चल रही मुठभेड़ में बलिदान हुए थे। यह मुठभेड़ अभी भी जारी है। पुष्पमाला अर्पित करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए तूती ने बताया कि सूचना के आधार पर सोमवार शाम को उधमपुर जिले के सोआन गांव में एक अभियान शुरू किया गया था।

जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक ने उधमपुर स्थित शेर-ए-कश्मीर पुलिस को संबोधित किया

जम्मू, 16 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक ने उधमपुर स्थित शेर-ए-कश्मीर पुलिस अकादमी एसकेपीए में परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित किया जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात आईपीएस ने आज उधमपुर स्थित शेर-ए-कश्मीर पुलिस अकादमी एसकेपीए में परिवीक्षाधीन पुलिस उपाधीक्षकों डीएसपी और परिवीक्षाधीन सब-इंस्पेक्टरों एसआई को संबोधित किया।

डीजीपी ने प्रशिक्षण की प्रगति की समीक्षा की और परिवीक्षाधीन अधिकारियों से फील्ड क्राफ्ट एफसी और रणनीति पर पूर्ण ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने विशेष रूप से वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य में प्रभावी पुलिसिंग और परिचालन तत्परता के लिए इनके महत्व को रेखांकित किया। नलिन प्रभात ने अत्याधुनिक स्थिति में कठोर प्रशिक्षण शारीरिक फिटनेस परिस्थितिजन्य जागरूकता और अनुशासित नेतृत्व की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने अधिकारियों को सामरिक अभ्यासों को आत्मसात करने उच्च व्यावसायिक मानकों को बनाए रखने और सत्यनिष्ठा साहस और लोक सेवा के प्रति समर्पण के मूल मूल्यों को कायम रखने की सलाह दी।

एडीजीपी गरीब दास आईपीएस निदेशक एसकेपीए उधमपुर आईजीपी जम्मू भीमसेन टूटी आईपीएस राजिंदर कुमार गुप्ता आईपीएस उप निदेशक एसकेपीए उधमपुर और बेनाम तोश एसएसपी उप निदेशक भी बातचीत के दौरान उपस्थित थे।

जिला पूंजीगत व्यय योजना 2025-26 के चल रहे कार्यों की प्रगति पर हुई समीक्षा

कठुआ, 16 दिसंबर (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने मंगलवार को जिला पूंजीगत व्यय योजना 2025-26 के अंतर्गत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। निदेशक ने कार्यों की भौतिक और वित्तीय दोनों प्रगति की समीक्षा की और कार्यान्वयन एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे डीडीसी, बीडीसी और पीआरआई अनुदान के अंतर्गत चल रहे और नव स्वीकृत कार्यों के लिए निर्धारित समयसीमा का पालन करने हेतु जनशक्ति और मशीनरी जुटाएं। उन्होंने एमपीएलएडी और निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि के अंतर्गत चल रहे कार्यों के समय पर निष्पादन की आवश्यकता पर भी बल दिया। गुणवत्तापूर्ण परिसंपत्ति निर्माण पर जोर देते हुए डीसी ने चेतावनी दी कि समय-सीमा का पालन करना अनिवार्य है क्योंकि 31 दिसंबर 2025 के बाद निष्पादित न किए गए कार्यों के लिए निधि में 30 प्रतिशत की कटौती का प्रावधान है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे देरी और लागत में वृद्धि से बचने के लिए कड़ी निगरानी सुनिश्चित करें। डीसी ने पूर्ण किए गए कार्यों की बिलिंग प्रक्रिया में तेजी लाने का भी आह्वान किया ताकि वित्तीय प्रगति सही ढंग से प्रदर्शित हो सके और निधि का उपयोग सुचारू रूप से हो सके। जवाबदेही पर जोर देते हुए डीसी ने सभी विभागों से समन्वय बनाए रखने और जिला पूंजीगत व्यय योजना के अंतर्गत सभी कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त कठुआ सुरिंदर मोहन शर्मा, मुख्य योजना अधिकारी रंजीत ठाकुर और इंजीनियरिंग, ग्रामीण विकास और स्वास्थ्य विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ संबंधित विभागों के फील्ड अधिकारी भी उपस्थित थे।

पुलवामा में पुलिस ने नशीले पदार्थों के तस्कर को गिरफ्तार किया

पुलवामा, 16 दिसंबर (हि.स.)। नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाते हुए पुलिस ने पुलवामा में एक नशीले पदार्थों के तस्कर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से अवैध पदार्थ बरामद किए हैं। पुलवामा थाने की एक पुलिस टीम ने बरपोरा क्रॉसिंग के पास न्यू सर्कुलर रोड पर नाका चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। तलाशी के दौरान उसके पास से 6 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया गया। उसकी पहचान मोहम्मद यासीन पुत्र मोहम्मद रमजान भट निवासी करीमाबाद पुलवामा के रूप में हुई है। उसे गिरफ्तार कर थाने ले जाया गया है जहां वह हिरासत में है। तदनुसार पुलवामा थाने में एफआईआर संख्या 284 2025 के तहत संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस जिले से नशीले पदार्थों के खतरे को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है और जनता से अपील करती है कि वे नशीले पदार्थों की तस्करी या अन्य असामाजिक गतिविधियों से संबंधित किसी भी जानकारी की सूचना निकटतम पुलिस स्टेशन को देकर सहयोग करें।

पुलिस ने 11.06 ग्राम हेरोइन जैसे पदार्थ के साथ ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया

सांबा, 16दिसंबर(हि.स.)। सांबा पुलिस ने ड्रग तस्करों और पेडलरों के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए विजयपुर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में एक ड्रग पेडलर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से लगभग 11.06 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया है। विजयपुर पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने शिव नगर विजयपुर के पास एक विशेष नाके के दौरान रख बरोटियां की तरफ से आ रही जेके21ए-0833 नंबर की मोटरसाइकिल को चेकिंग के लिए रोका। तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल चालक के पास से लगभग 11.06 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया गया। ड्रग पेडलर की पहचान शीतल कुमार पुत्र मदन लाल निवासी काला गेट बारी ब्राह्मणा जिला सांबा के रूप में हुई है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और जब्त किया गया पदार्थ भी बरामद कर लिया गया है।इस मामले में मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई है। पुलिस स्टेशन विजयपुर में एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर संख्या 142 2025 दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस ने श्रीनगर में कुख्यात ड्रग तस्कर की लगभग 01 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

श्रीनगर, 16 दिसंबर (हि.स.)। श्रीनगर में पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी और नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों की आय के खिलाफ अपने निरंतर अभियान में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस स्टेशन परिमपोरा के अंतर्गत पुलिस पोस्ट क़मरवारी ने पुलिस स्टेशन परिमपोरा की एफआईआर संख्या 64/2025 यू/एस 8/22 एनडीपीएस अधिनियम में शामिल आरोपी सुहैल अहमद मीर पुत्र गुलज़ार अहमद मीर निवासी बरथाना, क़मरवारी से जुड़े एक दो मंजिला और एक एकल मंजिला आवासीय घर को जब्त करने/कुर्की करने के लिए नोटिस दिया। संलग्न आवासीय संरचनाओं का अनुमानित मूल्य लगभग 1 करोड़ है। जांच के दौरान नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के अध्याय वी-ए के अनुसार सख्ती से आरोपी और उसके परिवार के सदस्यों की संपत्ति की व्यापक जांच की गई। राजस्व रिकॉर्ड, संपत्ति विवरण, क्षेत्र सत्यापन रिपोर्ट, मूल्यांकन इनपुट और संबंधित व्यक्तियों के बयानों की जांच से पता चला कि- अभियुक्त के पिता से संबंधित एक दो मंजिला आवासीय घर और अभियुक्त के दादा से संबंधित भूमि पर निर्मित एक एकल मंजिला आवासीय घर, लेकिन अभियुक्त और उसके परिवार द्वारा खरीदा और विकसित किया गया था, पिछले 3-4 वर्षों के दौरान अधिग्रहित और निर्मित किया गया था।

अवैध खनन के विरूद्ध कार्यवाही शोपियां में पुलिस ने 06 वाहन जब्त किये

शोपियां, 16 दिसंबर (हि.स.)। अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अपने निरंतर और तीव्र अभियान के तहत शोपियां में पुलिस ने जिले भर के विभिन्न स्थानों से खनिजों के अनधिकृत निष्कर्षण और परिवहन में शामिल तीन ट्रैक्टर, एक टिपर और दो जेसीबी मशीनों को जब्त किया है।

यह कार्रवाई नियमित गश्त और प्रवर्तन अभियान के दौरान की गई जिसके परिणामस्वरूप निम्नलिखित मामले दर्ज किए गए। एफआईआर संख्या 68/2025, पुलिस स्टेशन हीरपोरा - एक ट्रैक्टर जब्त किया गया, एफआईआर संख्या 41/2025, थाना इमामसाहिब - एक ट्रैक्टर जब्त, एफआईआर संख्या 50/2025, पुलिस स्टेशन केलर - एक जेसीबी जब्त, एफआईआर संख्या 69/2025, पुलिस स्टेशन हीरपोरा - एक ट्रैक्टर जब्त किया गया और एफआईआर नंबर 267/2025 पुलिस स्टेशन शोपियां - एक टिपर और एक जेसीबी जब्त।

जब्त किए गए सभी वाहन बिना वैध अनुमति या रॉयल्टी दस्तावेजों के अवैध खनन गतिविधियों में शामिल पाए गए। सभी मामलों की जांच चल रही है। पुलिस जिले के प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और अवैध खनन में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

डॉ. मसूद की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई

जम्मू, 16 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू के छन्नी हिम्मत स्थित गुर्जर देश चैरिटेबल ट्रस्ट में दिवंगत डॉ. मसूद ए चैधरी, पूर्व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति के जीवन, दृष्टिकोण और अनुकरणीय योगदान को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एक गंभीर और गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उपस्थित लोगों में जम्मू-कश्मीर राष्ट्रीय सम्मेलन के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला, मंत्री जावेद अहमद राणा भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने डॉ. मसूद ए चैधरी के जीवन, विचार और विरासत को समर्पित तीन पुस्तकों का विमोचन किया। इन पुस्तकों के विमोचन को डॉ. मसूद ए चैधरी के बौद्धिक, प्रशासनिक और मानवीय मूल्यों को प्रलेखित और प्रसारित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया। सभा को संबोधित करते हुए

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने डॉ. मसूद के उल्लेखनीय जीवन सफर पर प्रकाश डाला और उन्हें एक दूरदर्शी प्रशासक, असाधारण क्षमता वाले संस्था निर्माता और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणादायक आदर्श बताया। उन्होंने पुलिसिंग में एक विशिष्ट करियर से अकादमिक जगत में डॉ. मसूद के संक्रमण की सराहना की, जहां उन्होंने एक दूरस्थ क्षेत्र में उच्च शिक्षा के केंद्र के रूप में बीजीएसबीयू की नींव रखी। मुख्यमंत्री ने डॉ. मसूद की बौद्धिक और सामाजिक विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देने में गिरजर देश चैरिटेबल ट्रस्ट की अग्रणी भूमिका की भी सराहना की। डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने डॉ. मसूद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें सत्यनिष्ठा, दूरदर्शिता और सामाजिक न्याय के प्रति गहरी प्रतिबद्धता वाला व्यक्ति बताया। उन्होंने गुर्जर-बकरवाल और अन्य आदिवासी समुदायों से डॉ. मसूद के जीवन भर के दृष्टिकोण के अनुरूप शिक्षा को सशक्तिकरण के प्राथमिक साधन के रूप में अपनाने का आह्वान किया। मंत्री जावेद अहमद राणा ने अपने बड़े भाई डॉ. मसूद के मार्गदर्शन, मूल्यों और शिक्षाओं के बारे में भावुकता और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि इनका उनके व्यक्तिगत दृष्टिकोण और राजनीतिक यात्रा को आकार देने में निर्णायक भूमिका रही है। इससे पहले जीडीसीटी के पूर्व अध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों, न्यायविदों, राजनीतिक नेताओं और समुदाय प्रतिनिधियों सहित कई वक्ताओं ने सार्वजनिक सेवा, उच्च शिक्षा और सामाजिक उत्थान के क्षेत्रों में डॉ. मसूद के जीवन और अमिट योगदान पर प्रकाश डाला।

पीएम मोदी के स्वच्छ भारत मिशन के तहत जम्मू-कश्मीर ने स्वच्छता में मील का पत्थर हासिल किया : बीजेपी

जम्मू, 16 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में बीजेपी ने स्वच्छता के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रमुख स्वच्छ भारत मिशन की एक बड़ी सफलता है। दिल बहादुर सिंह, संयोजक, जम्मू-कश्मीर भाजपा स्वच्छ भारत अभियान और टी.के. सह-संयोजक शर्मा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर ने पूरे क्षेत्र में स्वच्छता और सार्वजनिक स्वच्छता में एक परिवर्तनकारी बदलाव देखा है क्योंकि जम्मू-कश्मीर के 99.31 प्रतिशत गांवों को ओडीएफ प्लस मॉडल घोषित किया गया है जो प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर शुरू किए गए स्वच्छ भारत मिशन की बड़ी सफलता को दर्शाता है। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जम्मू-कश्मीर के कुल 6,216 गांवों में से 6,173 गांवों ने ओडीएफ प्लस मॉडल का दर्जा प्राप्त कर लिया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि केंद्र में मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की स्पष्ट नीति दिशा और निरंतर समर्थन से प्रेरित, स्वच्छता, स्वच्छता बुनियादी ढांचे और व्यवहार परिवर्तन के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को उजागर करती है। एर. मीडिया को संबोधित करते हुए दिल बहादुर सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रत्यक्ष परिणाम है जिसने स्वच्छता स्थापित की है।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान-टीबी रोगियों को पौष्टिक खाद्य सामग्री वितरित की

कठुआ, 16 दिसंबर (हि.स.)। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत कठुआ के प्रमुख नागरिकों ने कठुआ जिले के टीबी रोगियों को 50 पौष्टिक खाद्य टोकरियाँ वितरित कीं, जिससे टीबी के इलाज करा रहे रोगियों के लिए सामुदायिक समर्थन को और मजबूती मिली।

वितरण कार्यक्रम का आयोजन कठुआ के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय रैना, कठुआ के जिला टीबी अधिकारी डॉ. राधा कृष्ण और चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुमन की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए कठुआ के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय रैना ने टीबी रोगियों के बेहतर उपचार परिणामों के लिए पर्याप्त पोषण के महत्व पर प्रकाश डाला। एसोसिएशन ने पीएमटीबीएमबीए के तहत आगामी अवधि में 300 टीबी रोगियों को गोद लेने की अपनी प्रतिबद्धता की भी घोषणा की, जिससे टीबी उन्मूलन के राष्ट्रीय मिशन में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। कठुआ स्वास्थ्य विभाग ने इस सराहनीय पहल की सराहना की और टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के अनुरूप, अन्य संगठनों, संस्थानों और व्यक्तियों से टीबी रोगियों के समर्थन में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

गांदरबल के एक पूर्व सरपंच के खिलाफ रिश्वतखोरी के मामले में आरोपपत्र दाखिल

श्रीनगर, 16 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को श्रीनगर की विशेष भ्रष्टाचार विरोधी अदालत में गांदरबल के एक पूर्व सरपंच के खिलाफ रिश्वतखोरी के मामले में आरोपपत्र दाखिल किया।

जम्मू और कश्मीर भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो ने श्रीनगर, कश्मीर के एसीबी पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर संख्या 13/2023 (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 के तहत) में आरोपी लोक सेवक मोहम्मद मुजफ्फर राथर जो उस समय गांदरबल के मानिगम का सरपंच था के खिलाफ रिश्वतखोरी के मामले में श्रीनगर की माननीय विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार विरोधी अदालत के समक्ष आरोपपत्र प्रस्तुत किया। एफआईआर 01-08-2023 को एक लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि उक्त आरोपी ने शिकायतकर्ता और उसकी बहन के बीच संपत्ति विवाद के निपटारे के लिए रिश्वत के रूप में 9,000 रुपये की मांग की थी। एसीबी ने 1 अगस्त, 2023 को एक लिखित शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि उक्त आरोपी ने शिकायतकर्ता और उसकी बहन के बीच संपत्ति विवाद के निपटारे के लिए रिश्वत के रूप में 9,000 रुपये की मांग की थी।

इसके बाद एक जाल बिछाया गया और आरोपी को शिकायतकर्ता से 9000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। रिश्वत की रकम मौके पर ही बरामद कर ली गई और बाद में रासायनिक परीक्षणों से आरोपी के हाथों पर फिनोलफथेलिन की मौजूदगी की पुष्टि हुई। बयान में कहा गया है कि तथ्यों और परिस्थितियों के साथ-साथ रिकॉर्ड पर लाए गए ठोस सबूतों के आधार पर जांच में आरोपी लोक सेवक मोहम्मद मुजफ्फर राथर, तत्कालीन सरपंच मणिगम गांदरबल के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 के तहत अपराध का सिद्ध होना सिद्ध हुआ है। सरकार से अभियोजन के लिए आवश्यक स्वीकृति प्राप्त करने के बाद न्यायिक निर्णय के लिए आज श्रीनगर के माननीय विशेष भ्रष्टाचार विरोधी न्यायाधीश की अदालत में आरोपपत्र प्रस्तुत किया गया है।

चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का जम्मू पुलिस ने किया भंडाफोड़

जम्मू, 16 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू शहर में शादी समारोहों को निशाना बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का जम्मू पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मध्य प्रदेश से आरोपियों को दबोचते हुए नकदी सोना और हीरे के जेवरात समेत करीब 20 लाख रुपए से अधिक का चोरी का सामान बरामद किया है।

पत्रकार वार्ता के दौरान एसपी साऊथ जम्मू अजय शर्मा ने बताया कि जम्मू पुलिस द्वारा अपराधों पर लगाम कसने के लिए ऑप्रेशन अवतार ऑप्रेशन मेघदूत और ऑप्रेशन चक्रव्यूह चलाए जा रहे हैं। इन्हीं अभियानों के तहत शादी समारोहों में बढ़ रही चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए विशेष टीमें गठित की गईं। शादी के सीजन का फायदा उठाते हुए चोर गिरोह जम्मू के नामी मैरिज हॉलों में सक्रिय था। यह गिरोह पहले रेकी करता फिर अच्छे कपड़ों में बच्चों और बुजुर्गों के साथ शादी में शामिल होकर शगुन के दौरान रखे गए गहनों और नकदी पर हाथ साफ कर फरार हो जाता था। वारदात के बाद आरोपी ट्रेन बदल-बदल कर मध्य प्रदेश भाग जाते थे ताकि पुलिस को गुमराह किया जा सके।

पुलिस स्टेशन गंगयाल में दर्ज एफ.आई.आर. नंबर 119 और 121 के तहत जम्मू पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के गुलखेड़ी और काड़िया गांवों से चोरी का सामान बरामद किया। इसमें 7.20 लाख की नकदी एक सोने का सैट और एक डायमंड रिंग बरामद की गई जिसकी कुल कीमत करीब 13.5 लाख आंकी गई है। वहीं पुलिस स्टेशन छन्नी हिम्मत क्षेत्र में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने 1 लाख की नकदी एक सोने का सैट और भारी सोने के कड़ों सहित चांदी के गहने बरामद किए जिसकी कुल कीमत करीब 6-7 लाख के आसपास है।

बीआरओ द्वारा अधिग्रहित भूमि संबंधित मामलों पर हुई समीक्षा बैठक

कठुआ, 16 दिसंबर (हि.स.)। सीमा सड़क संगठन द्वारा अधिग्रहित भूमि से संबंधित भूमि अधिग्रहण मामलों की प्रगति की समीक्षा करने के लिए एसडीएम हीरानगर फुलैल सिंह जेकेएएस ने संबंधित विभागों के साथ एक बैठक की।

जिसमें चकड़ा मोढ़ से महराजपुर तक विभिन्न गांवों जैसे चक बोलन, महराजपुर, छन लाल दीन, चक्र, चक प्रोतियान, चक भगवाना, टांडा नेक्नाम, गंगू चक, चान टांडा, चक गंगा, गुर्जर चक, कडियाला, मन्यारी, गंजाल रथुआ, थागली और पंसार आदि शामिल हैं। बैठक के दौरान भूमि अधिग्रहण और मुआवजे के मामलों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। एसडीएम ने अधिग्रहण संबंधी सभी प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं को समय पर पूरा करने के महत्व पर जोर दिया और संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे प्रभावित भूस्वामियों को भूमि मुआवजे का शीघ्र वितरण सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया में तेजी लाएं। एसडीएम ने सभी हितधारकों को निर्देश दिया कि वे घनिष्ठ समन्वय बनाए रखें और निर्धारित समय सीमा के भीतर अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें ताकि भूस्वामियों को बिना किसी अनावश्यक देरी के उनका उचित मुआवजा मिल सके। बैठक में तहसीलदार मढ़हीन, नायब तहसीलदार हीरानगर, एईई आर एंड बी, एईई पीडीडी, एईई पीएचई, बीआरओ और जीआरईएफ के प्रतिनिधि और संबंधित पटवारी उपस्थित थे।

देश की संप्रभुता के लिए एसआईआर अनिवार्य- डॉ शिशु

सांबा, 16 दिसंबर (हि.स.)। इस बात पर जोर देते हुए कि एसआईआर (चयनात्मक पहचान और निष्कासन) देश के लोकतंत्र और हमारे राष्ट्र की संप्रभुता के लिए अनिवार्य है जम्मू-कश्मीर भाजपा के प्रवक्ता डॉ. हरि दत्त शिशु ने सांबा भाजपा कार्यालय में एक बैठक को संबोधित करते हुए एसआईआर के महत्व पर जोर दिया और आईएनडीआई गठबंधन द्वारा झूठे आख्यानों का मुकाबला करने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक का आयोजन भाजपा की जिला सांबा इकाई द्वारा किया गया और इसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष आशा रानी ने की। समारोह में जम्मू-कश्मीर भाजपा उपाध्यक्ष और प्रभारी सांबा रेखा महाजन, सचिव अरुण शर्मा, डीडीसी चेयरमैन केशव दत्त शर्मा, वाइस चेयरमैन बलवान सिंह, जिला महासचिव राकेश पिंटा और अमित दुबे समेत सभी मंडल और मोर्चा अध्यक्ष मौजूद रहे। डॉ. शिशु ने बिंदुवार विस्तार से बताते हुए कहा कि गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संसद में चुनाव सुधारों पर की गई चर्चा ने कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों द्वारा देश को गुमराह करने के लिए गलत सूचना और झूठ के माध्यम से बनाई जा रही झूठी कहानी को उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा कि वास्तव में यह कांग्रेस ही थी जिसने एसआईआर की शुरुआत की थी और जवाहरलाल नेहरू से लेकर अब तक भारत के लगभग सभी प्रधानमंत्रियों ने इस प्रथा को जारी रखा है।

राष्ट्र निर्माण में भारतीय संविधान का महत्व विषय पर संगोष्ठी आयोजित

कठुआ, 16 दिसंबर (हि.स.)। मढ़हीन स्थित गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज के मतदाता साक्षरता क्लब ने राष्ट्र निर्माण में भारतीय संविधान का महत्व विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य छात्रों में संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति जागरूकता पैदा करना था।

संगोष्ठी में न्याय समानता, स्वतंत्रता और विविधता में एकता सुनिश्चित करने में भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया, साथ ही राष्ट्र को सशक्त बनाने में मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के महत्व पर भी बल दिया गया। वक्ताओं ने संवैधानिक नैतिकता पर विस्तार से चर्चा की और छात्रों को जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों ने संगोष्ठी में उत्साहपूर्वक भाग लिया और संविधान में निहित आदर्शों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए। जिसमें प्रथम पुरस्कार रितिका, द्वितीय पुरस्कार नितिका और तृतीय पुरस्कार मनत को दिया गया। यह कार्यक्रम कॉलेज की प्रधानाचार्या प्रो. (डॉ.) अनुपमा गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। अपने संबोधन में उन्होंने छात्रों को ऐसे कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया ताकि वे अपने कौशल और समग्र दक्षता में वृद्धि कर सकें। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. बलबिंदर सिंह, डॉ. शालू रानी और प्रोफेसर मनु सैनी ने किया।

संपादकीय

सड़क हादसों की दर लगातार ज़्यादा बनी हुई

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जम्मू और कश्मीर सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की पूरी कोशिशों के बावजूद आतंकवाद से लड़ने में जूझ रहा है, क्योंकि सिर्फ़ एक दिन पहले उधमपुर ज़िले में एक मुठभेड़ के दौरान इस बुराई ने एक और कीमती जान ले ली। इससे भी ज़्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि सड़क हादसों में होने वाली मौतों की संख्या आतंकवाद से होने वाली मौतों से कहीं ज़्यादा है, जबकि इस पर रोक लगाई जा सकती है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, संसद में पेश किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि J&K में सड़क हादसों की दर लगातार ज़्यादा बनी हुई है, जिसमें ओवर-स्पीडिंग हादसों और मौतों दोनों का सबसे बड़ा कारण बनकर उभरी है।

केंद्र शासित प्रदेश में पिछले पांच सालों में 28,510 सड़क हादसे और 4,031 मौतें दर्ज की गई हैं, जिससे साफ पता चलता है कि इस मुद्दे पर भी अधिकारियों को ध्यान देने की ज़रूरत है, क्योंकि इन हादसों में जान गंवाने वाले सभी लोगों की जान बचाई जा सकती थी, अगर यात्रियों ने ट्रैफिक नियमों का थोड़ा सम्मान किया होता और अपनी गाड़ियों का स्टीयरिंग ज़िम्मेदारी से संभाला होता। सड़कों पर हादसों और मौतों के आंकड़े चौंकाने वाले हैं क्योंकि सड़क हादसों की संख्या 2020 में 4,860 से बढ़कर 2021 में 5,452 और 2022 में 6,092 हो गई। 2023 में हादसे 6,298 के चरम पर पहुंच गए, जिसके बाद 2024 में थोड़ी गिरावट आकर 5,808 हो गए। मौतों में भी इसी तरह का रुझान देखा गया, जो 2020 में 728 से बढ़कर 2021 में 774 और 2022 में 805 हो गईं, और 2023 में पांच साल के उच्चतम स्तर 893 पर पहुंच गईं। 2024 में, मरने वालों की संख्या मामूली रूप से घटकर 831 हो गई।

दुख की बात है कि, जैसा कि पहले चर्चा की गई है, ये सभी मौतें टाली जा सकती थीं क्योंकि समझदारी से गाड़ी चलाने से इन जानों को बचाया जा सकता था, लेकिन दुर्भाग्य से J&K में लापरवाही से गाड़ी चलाने वालों की संख्या संसद में पेश किए गए आंकड़ों से कहीं ज़्यादा लगती है। इन ज़्यादातर घटनाओं के लिए ओवर-स्पीडिंग ही ज़िम्मेदार थी। केंद्र शासित प्रदेश में 2020 में ओवर-स्पीडिंग से जुड़े 4,821 एक्सीडेंट हुए, जो 2021 में बढ़कर 5,351 और 2022 में 5,990 हो गए। हालांकि 2023 में ऐसे मामले घटकर 5,666 और 2024 में 5,367 हो गए, लेकिन इसका असर गंभीर बना रहा।

पिछले पांच सालों में, 27,195 एक्सीडेंट और 3,956 मौतें ओवर-स्पीडिंग की वजह से हुईं, जिससे यह J&K में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों का मुख्य कारण बन गया। डेटा यह भी दिखाता है कि बेसिक सड़क सुरक्षा नियमों का लगातार पालन नहीं किया जा रहा है। हेलमेट न पहनने से होने वाली मौतें 2020 और 2021 में हर साल 63 थीं, 2023 तक बढ़कर 84 हो गईं, और 2024 में घटकर 72 हो गईं, जिससे पांच सालों में कुल 290 मौतें हुईं।

इसी तरह, सीट बेल्ट न पहनने से 2020 और 2024 के बीच 804 मौतें हुईं, जिसमें सालाना आंकड़े 96 से 117 के बीच रहे। इसके अलावा, बिना लाइसेंस के गाड़ी चलाना भी एक और बड़ी चिंता का विषय है। 2020 और 2024 के बीच, J&K में बिना वैलिड लाइसेंस वाले ड्राइवरों से जुड़े 460 एक्सीडेंट दर्ज किए गए, जिसमें मामले 2020 में 91 से बढ़कर 2022 में 126 के पीक पर पहुंच गए।

यह कहा जा सकता है कि आतंकवाद को रोकना आम आदमी के हाथ में नहीं है, लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करना निश्चित रूप से लोगों के हाथ में है और उन्हें मौतों को रोकने के लिए सभी टाले जा सकने वाले सड़क हादसों को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।

भारत के टेक्सटाइल की नई ग्लोबल पोज़िशनिंग

जब हम भविष्य की बात करते हैं, तो पुनः स्पष्ट करना आवश्यक है कि टेक्सटाइल की अगली वृद्धि ट्रेडिशनल फाइबर पर ही आधारित नहीं होगी। इसी दिशा में सरकार ने फ्लैक्स, रैमी, सिसल और मिल्कवीड जैसे न्यू ऐज फाइबर को प्राथमिकता में रखा है। यह फाइबर किसानों के लिए कम लागत के साथ अधिक आय देने वाले अनुकूल विकल्प हैं और इनसे पूरी वैल्यू-चेन में नई प्रोसेसिंग, नए उद्योग और बड़े पैमाने पर नए रोज़गार पैदा होंगे। मिल्कवीड जैसे पौधे अब न्यू- एज टेक्सटाइल फाइबर के रूप में उभर रहे हैं और निकट भविष्य में ये किसानों के लिए अतिरिक्त आय का निश्चित ही महत्वपूर्ण स्रोत बनेंगे।

(गिरिराज सिंह)

जब हम भारत के टेक्सटाइल सेक्टर की बात करते हैं, तो हम केवल फैक्ट्री, मशीनों और फैशन की नहीं, बल्कि उन करोड़ों भारतीयों की बात करते हैं, जिनकी ज़िंदगी कॉटन के खेतों, हैंडलूम, पावरलूम और सिलाई मशीनों से जुड़ी है। पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जिस व्यापक सोच, दृढ़ संकल्प और निर्णायक नीतिगत सुधार को इस क्षेत्र ने देखा है, उससे आज टेक्सटाइल सेक्टर एक नए आत्मविश्वास के साथ खड़ा है। आज जब हम टेक्सटाइल सेक्टर में लागू हालिया सुधारों के प्रभाव की बात करते हैं, तो यह केवल बदलाव नहीं, बल्कि किसानों, उद्यमियों, महिलाओं, बुनकरों, तकनीशियनों और युवाओं की नई संभावनाओं की कहानी है जिसका उद्देश्य भारत को वैश्विक टेक्सटाइल शक्ति बनाना है। यह लेख सिर्फ़ योजनाओं की सूची नहीं, बल्कि उस परिवर्तन की झलक है जिसे हम सब ने मिलकर आकार दिया है। किसान-केंद्रित बदलाव - कॉटन की रिकॉर्ड प्रोक्योरमेंट और MSP में ऐतिहासिक वृद्धि टेक्सटाइल क्षेत्र की जड़ें खेत में हैं और किसान इस यात्रा की पहली कड़ी हैं। इसलिए हमारी प्राथमिकता हमेशा यह रही कि कॉटन किसान को बाजार के उतार-चढ़ाव, दामों की अनिश्चितता और बिचौलियों की दबाव-प्रणाली से मुक्त किया जाए। यही कारण है कि 2004 से 2014 के बीच जहाँ सरकारी एजेंसियों द्वारा कुल 173 लाख कॉटन बेल्स की खरीद हुई, वहीं 2014 से 2024 के बीच यह बढ़कर 473 लाख कॉटन बेल्स पर पहुँची। यह लगभग 173त्न की वृद्धि है, जो दर्शाती है कि सरकार ने किसान को सिर्फ़ मौसमी प्राथमिकता नहीं दी, बल्कि उसे स्थायी सुरक्षा दी। इसी तरह MSP में सुधार भी किसानों को स्थिरता देने वाला बड़ा कदम रहा है। 2013-14 में कॉटन का MSP 3,700 रुपये प्रति क्विंटल था, जबकि 2025-26 में इसे बढ़ाकर 7,710 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। यह 108% की वृद्धि है, जो किसान की आय, सुरक्षा और आत्मविश्वास को मजबूत करती है। जब हम कहते हैं कि किसान हमेशा सुरक्षित है, तो यह सिर्फ़ बात भर नहीं, बल्कि इन वास्तविक आँकड़ों पर आधारित सच्चाई है कि सरकार पहले से अधिक मात्रा में कॉटन खरीद रही है और किसानों के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित कर रही है। मिशन फॉर कॉटन प्रोडक्टिविटी- क्वालिटी, प्रोडक्टिविटी और न्यू ऐज फाइबर सिर्फ़ ज़्यादा प्रोडक्शन ही काफ़ी नहीं, बेहतर क्वालिटी भी उतनी ही ज़रूरी है। इसी सोच के साथ 2,500 करोड़ का मिशन फॉर कॉटन प्रोडक्टिविटी शुरू किया गया, जिसका लक्ष्य केवल प्रोडक्शन बढ़ाना नहीं, बल्कि कॉटन की गुणवत्ता को विश्व-स्तर तक पहुँचाना है। इस मिशन के तहत बेहतर बीज, वैज्ञानिक खेती, फार्म मैनेजमेंट और गुणवत्ता नियंत्रण की प्रक्रियाएँ मजबूत की जा रही हैं। इसके साथ ही किसान को न्यू-एज फाइबर की तरफ प्रेरित करने का प्रयास भी किया जा रहा है ताकि भारत ग्लोबल वैल्यू-चेन में हाई क्वालिटी कॉटन और मिक्स्ड फाइबर के प्रमुख सप्लायर के रूप में उभरे। जब हम भविष्य की बात करते हैं, तो पुनः स्पष्ट करना आवश्यक है कि टेक्सटाइल की अगली वृद्धि ट्रेडिशनल फाइबर पर ही आधारित नहीं होगी। इसी दिशा में सरकार ने फ्लैक्स, रैमी, सिसल और मिल्कवीड जैसे न्यू ऐज फाइबर को प्राथमिकता में रखा है। यह फाइबर किसानों के लिए कम लागत के साथ अधिक आय देने वाले अनुकूल विकल्प हैं और इनसे पूरी वैल्यू-चेन में नई प्रोसेसिंग, नए उद्योग और बड़े पैमाने पर नए रोज़गार पैदा होंगे। मिल्कवीड जैसे पौधे अब न्यू-एज टेक्सटाइल फाइबर के रूप में उभर रहे हैं और निकट भविष्य में ये किसानों के लिए अतिरिक्त आय का निश्चित ही महत्वपूर्ण स्रोत बनेंगे। कॉटन पर इम्पोर्ट ड्यूटी में राहत से उद्योग को स्थिरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा कॉटन पर इम्पोर्ट ड्यूटी हटाने का फैसला उद्योग के लिए तुरंत राहत देने वाला कदम साबित हुआ है। पहले यह राहत 30 सितंबर तक ही दी गई थी, लेकिन इसके सकारात्मक परिणामों को देखते हुए इसे 31 दिसंबर तक बढ़ाया गया है।

इस कदम से मिल्स को इंटरनेशनल कम्पेटिटिव दामों पर कॉटन मिलने लगा, जिसकी वजह से यार्न और फैब्रिक की प्रोडक्शन कॉस्ट कम हुई जो सीधे तौर पर हमारे टेक्सटाइल एक्सपोर्ट्स को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत बनाने वाली साबित होगी। SMEs के लिए यह कदम विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इम्पोर्ट ड्यूटी में राहत मिलने से अब उन्हें स्थिरता, बेहतर प्लानिंग और कॉस्ट मैनेजमेंट का अवसर मिलेगा। साथ ही, डोमेस्टिक मार्केट में भी रॉ कॉटन की आपूर्ति होगी, जिससे हैंडलूम, पावरलूम, डिजाइनर सेगमेंट, और फैब्रिक आधारित स्टार्टअप तक सभी को हाई क्वालिटी फाइबर उचित मूल्य पर उपलब्ध हो पाएगा। यह निर्णय भारत को एक स्थिर और प्रतिस्पर्धी मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। PLI योजना से टेक्सटाइल सेक्टर की औद्योगिक प्रगति PLI योजना ने टेक्सटाइल सेक्टर को नई ऊर्जा दी है जिसने इस क्षेत्र में अभूतपूर्व उत्साह और निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार किया है। उद्योग की मांग को देखते हुए आवेदन पोर्टल को 31 दिसंबर 2025 तक पुनः खोला गया है जिसमें अब तक 27 नए आवेदन प्राप्त हुए हैं। इससे नई फैक्ट्रियाँ, नई टेक्नोलॉजी, और हज़ारों नए रोजगार सृजित किए जाएंगे और 2030 तक टेक्सटाइल सेक्टर के 12 बिलियन डॉलर एक्सपोर्ट लक्ष्य को हासिल करने में बड़ी मदद मिलेगी। अब तक 74 स्वीकृत कंपनियों में से 42 कंपनियों का टेक्निकल टेक्सटाइल में होना इस बात का संकेत है कि भारत इनोवेशन से भरे इस सेक्टर में गंभीर रूप से निवेश कर रहा है। फलस्वरूप टेक्निकल टेक्सटाइल्स का एक्सपोर्ट भी पिछले वर्ष की तुलना में 12.4 प्रतिशत बढ़कर 3.2-3.4 बिलियन डॉलर तक पहुँचा। सबसे रोचक तथ्य यह है कि शीर्ष 10 कंपनियों द्वारा किया गया वास्तविक निवेश 4,584 करोड़ रुपये रहा, जो कि उनकी कमिटेड राशि से करीब 500 करोड़ रुपये से भी अधिक है। इसका सबसे प्रेरक उदाहरण बेबी डायपर्स और सैनिटेरी नैप्किंस का है। एक समय था जब भारत इन प्रोडक्टस के लिए बड़े पैमाने पर विदेशी उत्पादों पर निर्भर था, लेकिन आज PLI के बाद हम इस सेक्टर में इम्पोर्ट डिपेंडेंसी से मुक्त होकर नेट एक्सपोर्टर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। MEG और विस्कोस पर QCO हटाने से MMF वैल्यू-चेन को राहत हाल ही में MEG और विस्कोस पर QCO हटाने का निर्णय लिया गया जो इंडस्ट्री की वास्तविक जरूरतों और ग्लोबल सप्लाई चेन की परिस्थितियों को समझते हुए लिया गया है। QCO हटने के बाद अब MMF वैल्यू-चेन को वैश्विक स्तर के रॉ मटेरियल कम्पेटिटिव दरों पर मिलेंगे, जिससे प्रोडक्शन प्लानिंग और लागत दोनों में सुधार होगा। डाउन-स्ट्रीम सेक्टर जिसमें विशेषकर गारमेंटिंग सेक्टर को तुरंत राहत मिलेगी। आज इस क्षेत्र में लगभग 1.4 करोड़ नौकरियाँ हैं और हमारा लक्ष्य 2030 तक इसमें 1 करोड़ नई नौकरियों के अवसर तैयार करना है।

इनवर्टेड ड्यूटी की समस्या से राहत टेक्सटाइल इंडस्ट्री की इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर के सुधार को लेकर एक पुरानी डिमांड थी जिससे वर्किंग कैपिटल ब्लॉक हो जाता था। पर अब Next Gen GST रिफॉर्म से इस समस्या को दूर किया गया है। इसके साथ ही रेडीमेड गार्मेंट्स के लिए बड़ा कदम उठाते हुए 2,500 तक के अपेरल पर GST z% किया गया है। जिससे मिडिल क्लास, युवा व विद्यार्थियों के लिए कपड़े अब और अधिक किफायती होंगे। साथ ही टियर 2-3 शहरों और गांवों में भी इसकी डिमांड भी बढ़ेगी। लेबर रिफॉर्म से टेक्सटाइल वर्कर्स को सुरक्षा और सम्मान टेक्सटाइल क्षेत्र में बड़ी संख्या में माइग्रैन्ट, महिला और कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स काम करते हैं। हाल के लेबर रिफॉर्म इन्हें वास्तविक अधिकार, सुरक्षा और स्थिरता देने के लिए बनाए गए हैं। सभी अब समान वेतन, समान कल्याण योजनाओं और सुविधाओं के हकदार होंगे। ये सुधार टेक्सटाइल वर्कफोर्स को एक सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

सिर्फ इंडस्ट्रियल क्लस्टर नहीं, मैं इन्हें हमारे टेक्सटाइल सेक्टर के 7 ऊर्जा-केंद्र मानता हूँ। सातों राज्यों में भूमि आवंटन के साथ काम सुचारु रूप से प्रगतिशील है। अभी तक देशभर से लगभग 33,000 करोड़ रुपये की इनवेस्टमेंट आकर्षित किया है। साथ ही इन पार्कों से करीब 21 लाख रोजगार सृजित होंगे। FTA और नए वैश्विक बाज़ार जून 2024 में वस्त्र मंत्रालय संभालते वक्त यह साफ़ था कि भारत कुछ चुनिंदा ट्रेडिशनल मार्केट्स पर ही निर्भर है। इसलिए मैंने टीम को निर्देश दिया कि दुनिया के नए इमर्जिंग मार्केट्स को पहचानें, उनके डिमांड ट्रेंड्स और पर-कैपिटा इंकम का अध्ययन करें। इसके बाद 40 ऐसे नए बाज़ार पहचाने गए जहाँ भारत की मौजूदगी बहुत कम थी, लेकिन संभावना बहुत ज्यादा है। इसी सोच के साथ आज भारत 27 देशों के साथ FTA के जरिए नए बाज़ारों में मज़बूती से प्रवेश कर चुका है। हाल में UK के साथ हुआ CETA समझौता इसका बड़ा उदाहरण है। इसका असर तुरंत दिखा और अप्रैल 2024 से 2025 के बीच UK को हमारे एक्सपोर्ट में 15 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज हुई। इसी तरह India-EFTA Agreement हमारे लिए लगभग 14 बिलियन डॉलर के प्रीमियम मार्केट का द्वार खोलता है। सिर्फ़ एक साल में भारत के टेक्सटाइल एक्सपोर्ट 111 देशों में बढ़े, जिसमें 38 देशों में 50% से ज्यादा और 16 देशों में 25-50% की वृद्धि दर्ज की गई। सबसे प्रेरक कहानी अर्जेंटीना की रही जो कभी भारत के लिए एक चैलेंजिंग मार्केट था, आज वहीं हमारे एक्सपोर्ट में 73% की रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। यह सभी प्रयास मिलकर यही दिखाते हैं कि भारत का टेक्सटाइल सेक्टर अब सिर्फ़ उद्योग तक सीमित नहीं, बल्कि देश की ताकत और आगे बढ़ने की क्षमता का बड़ा आधार बन चुका है। आज हमारा टेक्सटाइल सेक्टर नए विश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है, और आने वाले सालों में भारत दुनिया की प्रतिस्पर्धा में सबसे आगे खड़े होने की क्षमता रखता है। हमारा लक्ष्य साफ़ है भारत को ऐसा टेक्सटाइल हब बनाना जो भरोसेमंद, आधुनिक और आने वाले समय की जरूरतों के हिसाब से सस्टेनेबल भी हो

लेखक केंद्रीय वस्त्र मंत्री हैं।

लौहपुरुष सरदार पटेल और एकीकृत भारत की नींव

- योगेश कुमार गोयल

राष्ट्रीय एकता के प्रति सरदार पटेल की निष्ठा आजादी के इतने वर्षों बाद भी पूरी तरह प्रासंगिक है। एकता की मिसाल कहे जाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल गुजरात के नाडियाद के किसान परिवार में 31 अक्तूबर 1875 को जन्मे, जिन्होंने सदैव देश की एकता को सर्वोपरि माना। सरदार पटेल ने भारत को खण्ड-खण्ड करने की अंग्रेजों की साजिश को नाकाम करते हुए बड़ी कुशलता से आजादी के बाद करीब 550 देशी रियासतों तथा रजवाड़ों का एकीकरण करते हुए अखण्ड भारत के निर्माण में सफलता हासिल की थी। राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता का परिचय देते हुए स्वतंत्र भारत को एकजुट करने का असाधारण कार्य बेहद कुशलता से सम्पन्न करने के लिए जाने जाते रहे सरदार पटेल का देहांत दिल का दौरा पड़ने के कारण 15 दिसम्बर 1950 को 75 वर्ष की आयु में हो गया था और इसी दिन को प्रतिवर्ष 'सरदार पटेल स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

देश के पहले गृहमंत्री और प्रथम उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार पटेल का भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए अविस्मरणीय योगदान रहा।

सरदार पटेल ने लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू की थी।

वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अत्यधिक प्रेरित हुए और इसीलिए उन्होंने गांधीजी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में हिस्सा लिया। वे भाई-भतीजावाद की राजनीति के सख्त खिलाफ थे और ईमानदारी के ऐसे पर्याय थे कि उनके देहांत के बाद जब उनकी सम्पत्ति के बारे में जानकारी जुटाई गई तो पता चला कि उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। वह जो भी कार्य करते थे, पूरी ईमानदारी, समर्पण, निष्ठा और हिम्मत से साथ पूरा किया करते थे। उनके जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग सामने आते हैं, जो इस महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल प्रशासक के जीवन को समझने में सहायक हैं।

एक किसान परिवार में जन्मे वल्लभ भाई पटेल जब छोटे थे, तब अपने पिताजी के साथ खेत पर जाया करते थे। एक दिन जब उनके पिताजी खेत में हल चला रहे थे तो वल्लभ भाई पटेल उन्हीं के साथ चलते-चलते पहाड़े याद कर रहे थे। उसी दौरान उनके पांव में एक बड़ा-सा कांटा चुभ गया किन्तु वे हल के पीछे चलते हुए पहाड़े कंठस्थ करने में इस कदर लीन हो गए कि उन पर कांटा चुभने का कोई प्रभाव ही नहीं पड़ा। जब एकाएक उनके पिताजी की नजर उनके पांव में घुसे बड़े से कांटे और बहते खून पर पड़ी तो उन्होंने घबराते हुए बैलों को रोका और बेटे के पैर से कांटा निकालते हुए घाव पर पत्ते लगाकर खून बहने से रोका। बेटे की एकाग्रता और तन्मयता देख कर वे बहुत खुश हुए और जीवन में कुछ बड़ा कार्य करने का आशीर्वाद दिया।

वल्लभ भाई पटेल वकालत की पढ़ाई करने के लिए सन् 1905 में इंग्लैंड जाना चाहते थे लेकिन पोस्टमैन ने उनका पासपोर्ट और टिकट उनके भाई विट्ठल भाई पटेल को सौंप दिए। दोनों भाइयों का शुरूआती नाम वी. जे. पटेल था, ऐसे में बड़ा होने के नाते उस समय विट्ठल भाई ने स्वयं इंग्लैंड जाने का निर्णय लिया। वल्लभ भाई पटेल ने बड़े भाई के निर्णय का सम्मान करते हुए न केवल बड़े भाई को अपना पासपोर्ट और टिकट दे दिया बल्कि इंग्लैंड में रहने के लिए उन्हें कुछ धनराशि भी भेजी।

सरदार पटेल का जीवन कितना सादगीपूर्ण था और उनका स्वभाव कितना सहज तथा नम्र था, यह इस किस्से से आसानी से समझा जा सकता है। सरदार पटेल उन दिनों भारतीय लेजिस्लेटिव असेंबली के अध्यक्ष थे। असेंबली के कार्यों से निवृत्त होकर एक दिन जब वे घर के लिए निकल ही रहे थे, तभी एक अंग्रेज दम्पत्ति वहां पहुंचा, जो विदेश से भारत घूमने के लिए आया था। सरदार पटेल सादे वस्त्रों में रहते थे और उन दिनों उनकी दाढ़ी बढ़ी हुई थी। अंग्रेज दम्पत्ति ने इस वेश में देखकर उन्हें वहां का चपरासी समझ लिया और असेंबली में घुमाने के लिए कहा। सरदार पटेल ने बड़ी ही विनम्रता से उनका यह आग्रह स्वीकार करते हुए उन्हें पूरे असेंबली भवन में घुमाया। इससे खुश होकर दम्पति ने सरदार पटेल को बख्शीश में एक रुपया देने का प्रयास किया लेकिन सरदार पटेल ने अपनी पहचान उजागर न करते हुए विनम्रतापूर्वक लेने से इन्कार कर दिया।

अगले दिन जब असेंबली की बैठक हुई तो वह अंग्रेज दम्पत्ति लेजिस्लेटिव असेंबली की कार्रवाई देखने के लिए दर्शक दीर्घा में पहुंचा और सभापति के आसन पर बढ़ी हुई दाढ़ी तथा सादे वस्त्रों वाले उसी शख्स को देखकर दंग रह गया। वह मन ही मन ग्लानि से भर उठा कि जिस शख्स को चपरासी समझकर उन्होंने उसे असेम्बली घुमाने के लिए कहा, वो कोई और नहीं बल्कि खुद इस असेंबली के अध्यक्ष हैं। अंग्रेज दम्पत्ति सरदार पटेल की सादगी, सहज स्वभाव और नम्रता का कायल हो गया और उसने असेम्बली की कार्रवाई के बाद सरदार पटेल से क्षमायाचना की। एकीकृत भारत की निर्माता यह महान् शख्सियत 15 दिसम्बर 1950 को चिरनिद्रा में लीन हो गई।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मानसिकता और कार्यक्षमता को प्रभावित करती वर्चुअल मीटिंग्स

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

डिजिटल क्रांति ने कार्य दिवस के परंपरागत समय सीमा को बदल कर रख दिया है। कहने को तो छह या सात घंटे का कार्य दिवस होता है पर वर्चुअल युग में कर्मचारी 24 गुणा 7 के दौर में आ गया है। इससे कार्मिकों की मानसिकता और सामाजिक-इकोनॉमिक ताने-बाने को भी प्रभावित किया है। एक समय था जब शीर्ष या पहली दूसरी कतार के अधिकारियों की जिम्मेदारी अधिक होती थी और उनके लिए समय सीमा नहीं होती थी पर अब तो वर्चुअल सुविधाओं के चलते दिन हो या रात, रविवार हो या शनिवार कभी भी कहीं भी एक मैसेज मात्र से आपको एक्टिव होकर कैमरे के सामने आना पड़ता है।

दरअसल, कोरोना काल ने यह परिवर्तन दिया है। भारत सहित दुनिया के देशों में अभी भी कार्मिकों के लिए कार्य दिवस पांच या छह दिवस के हैं तो कार्यसमय भी मानने को तो सुबह 9.30 से सायं बजे 6 या दूसरे शब्दों में औसतन लगभग सात घंटे का है पर डिजिटल क्रान्ति ने सबकुछ बदल कर रख दिया है। देखा जाए तो अब असीमित कार्य दिवस का दौर आ गया है। वास्तविकता तो यह है कि डिजिटल डिवाइसों के उपयोग के बाद से कमोबेश कार्यदिवस 24 गुणा 7 हो गये हैं तो कार्य समय भी तय समय सीमा के बंधन से मुक्त हो गया है। माइक्रोसॉफ्ट द्वारा कराये गये वर्क ट्रेंड इंडेक्स स्पेशल रिपोर्ट 2025 में यह खुलासा हो गया है कि अब कार्मिक चाहे वह किसी भी स्तर का हो, उसके लिए चाहे निजी क्षेत्र में हो या सरकारी क्षेत्र में तय समय सीमा बीते जमाने की बात हो गई है। ई-मेल, चैट, वर्चुअल या हाईब्रिड मीटिंग्स, सोशल मीडिया संदेश आदि को समग्र रुप से देखने से अब कार्मिक 24 घंटे का कार्मिक हो गया है।

वर्क ट्रेंड इंडेक्स स्पेशल रिपोर्ट के अनुसार सुबह छह बजे से ही व्यक्ति अपनी ई-मेल टटोलने लगता है तो सर्वाधिक प्रोडक्टिविटि का समय 11 बजे के लगभग में काम के स्थान पर ई-मेल का प्रेशर 54 प्रतिशत तक बढ़ जाता है सायं तीन बजे बाद ई-मेल, चैट या अन्य संदेशों की आवक कम होने लगती है। वैश्विक औसत की बात की जाये तो 100 से अधिक ई-मेल से दो-चार होना पड़ता है कार्मिक को। हर दो मिनट में मेल, चैट या अन्य संदेश कार्मिक के कार्य में बाधा उत्पन्न करता है। इसका कारण यह होता है कि उसे कॉल, ई-मेल या संदेश चेक करने या उससे दो-चार होना ही पड़ता है।

हालात यह है कि रात को भी ई-मेल या संदेश का सिलसिला जारी रहने से अब कार्यालयीय वातावरण से दूर परिवार के व्यैयक्तिक क्षण तो कल्पना की बात होती जा रही है।

डिजिटल क्रांति के चलते मीटिंग्स खासतौर से वर्चुअल या हाईब्रिड मीटिंग्स सुविधाजनक होने के साथ ही

कार्मिकों के तनाव का कारण भी बनती जा रही है। हालांकि वैश्विक ट्रेंड के अनुसार मंगलवार को सर्वाधिक मीटिंग्स होती है इनमें खासतौर से एडहॉक मीटिंग्स अधिक होती है तो शुक्रवार को अपेक्षाकृत मीटिंग्स का दबाव कम होता है। सबसे खास बात यह कि औसतन 10 में से एक मिटिंग तो बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक तय होती है। एक और खास यह कि वर्चुअल मीटिंग्स सुविधाजनक होने और अपना संदेश संबंधित सभी तक पहुंचाने का बेहतरीन माध्यम होने के बावजूद यह तनाव का कारण तो बनता ही है इसके साथ ही गुणवत्ता पर भी प्रश्न लगाये जाने लगे हैं। इसको इस तरह से समझा जा सकता है कि दस में से एक मीटिंग लास्ट टाइम बुक की जाती है तो मीटिंग्स में प्रस्तुत होने वाले पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन में मीटिंग के दस मिनट पहले तक आंशिक बदलाव या अपडेशन होता है। यह कोई किसी एक पक्ष यानी सरकारी या गैर सरकारी प्रतिष्ठान की बात या किसी देश विशेष की बात ना होकर वैश्विक वास्तविकता है।

विशेषज्ञों की मानें तो अंतिम समय तक प्रजेंटेशन में बदलाव का मतलब ही यह है कि गुणवत्ता कहीं ना कही प्रभावित हो रही है। वैश्विक आंकड़े तो यही कहते हैं कि अंतिम समय में पीपीटी में अपडेशन या संशोधन में 122 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है। वर्चुअल मीटिंग का सिलसिला दरअसल कोरोना महामारी के दौर से अधिक सामने आया है और इसे समय और धन बचाने में सहायक माना जाता है पर मीटिंग्स के दौर जिस तरह से बढ़ने लगे हैं उससे कार्मिक सूचनाएं संग्रहित करने और उसमें अपने बचाव के उपाय खोजने में ही अपनी अधिकांश कार्यक्षमता व्यय कर देता है और परिणाम स्वरुप कार्य में गुणवत्ता और उत्पादकता में कमी आना स्वाभाविक माना जाने लगा है।

माइक्रोसॉफ्ट की हालिया रिपोर्ट से यह साफ हो गया है कि डिजिटल युग को देखते हुए अब कार्मिकों के कार्यदिवस को नए सिरे से री-डिजाइन करने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है। इसका प्रमुख कारण कार्मिकों शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ना और सामाजिकता और वैयक्तितता पर विपरीत प्रभाव पड़ना प्रमुख हो जाता है। समय-बेसमय मोबाइल या इसी तरह की डिवाइस पर अंगुलियां चलाने से प्रभावित हो रहे हैं। काम का दबाव, सूचनाओं के संग्रहण में ही समय जाया होने, वर्चुअल मीटिंग्स में सार्वजनिक रुप से जलालत की संभावना, आंखों में सूखापन और सामाजिक व व्यक्तिगत संबंध बाधित होना आम होता जा रहा है। इसका साइड इफेक्ट संत्रास, कुंठा, तनाव, डिप्रेशन आदि के रुप में सामने आने लगा है। इसके समाधान के लिए हालांकि विशेषज्ञों ने फ्रंटियर फर्म की आवश्यकता प्रतिपादित की है। इसमें आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस के माध्यम से विश्लेषण की बात की जाने लगी है। पर समय की मांग और आवश्यकता यह महसूस की जाने लगी है कि वर्क कल्चर को रिडिजाइन किया जाएं। अन्यथा देर-सबेर इसके नकारात्मक प्रभावों से बचना मुश्किल हो जाएगा।

दरअसल, यह अपने आपमें गंभीर समस्या हो गई है। इसका समाधान हर स्तर पर खोजना होगा। यह कोई कार्यालयीय समस्या, सामाजिक समस्या, मनोवैज्ञानिक समस्या या शारीरिक मानसिक समस्या ना होकर पूरे ताने-बाने को ही प्रभावित करने वाली समस्या है। ऐसे में विशेषज्ञों, गैर-सरकारी संगठनों, मनोविज्ञानियों के साथ ही मानव संसाधन विशेषज्ञों और नियोक्ताओं को भी इस समस्या का समाधान खोजना होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

एनएससीसी में मनु भाकर और सिमरनप्रीत कौर का 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण पर कब्जा

एजेंसी

नई दिल्ली। 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) में भारतीय महिला निशानेबाज़ों का शानदार प्रदर्शन जारी है। डबल ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और उभरती स्टार सिमरनप्रीत कौर बरार ने महिला 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल स्पर्धा में क्रमशः सीनियर और जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में खेले गए सीनियर महिला फाइनल में मनु भाकर ने बेहतरीन एकाग्रता और अनुभव का परिचय देते हुए 36 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने कर्नाटक की दिव्या टी.एस. को चार अंकों से पीछे छोड़ा, जिन्हें 32 हिट्स के साथ रजत पदक मिला। वहीं अंजलि चौधरी ने 28 हिट्स लगाकर कांस्य पदक हासिल किया। क्वालिफिकेशन राउंड में दिव्या टी.एस. ने शीर्ष स्थान पाया था, जबकि मनु भाकर ने चौथे स्थान से फाइनल में प्रवेश किया और निर्णायक मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए खिताब जीत लिया। जूनियर महिला वर्ग में सिमरनप्रीत कौर बरार ने अपनी लगातार शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए 39 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता। यह प्रदर्शन उनके बढ़ते अंतरराष्ट्रीय कद को भी दर्शाता है। द्वारम प्रणवी को रजत पदक मिला, जबकि हरियाणा की पलक ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

भारत में मिले अपार स्नेह से अभिभूत मेसी बोले- यह अनुभव यादगार, फिर लौटेंगे

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने गोट इंडिया टूर के दौरान भारत में मिले अपार स्नेह के लिए प्रशंसकों का आभार जताते हुए कहा कि यह अनुभव उनके लिए बेहद खास और यादगार रहा। अरुण जेटली स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को संबोधित करते हुए मेसी ने कहा, 'भारत में इन दिनों आप सभी ने हमें जो प्यार दिया, उसके लिए धन्यवाद। यह हमारे लिए एक अनोखा अनुभव था। दौरा भले ही छोटा और काफी व्यस्त रहा हो, लेकिन जो स्नेह और अपनापन हमें मिला, वह अविश्वसनीय है। हमें पहले से पता था कि यहां हमारे लिए प्यार है, लेकिन इसे करीब से महसूस करना अद्भुत रहा। हम जरूर किसी दिन दोबारा भारत लौटेंगे। 'जय शाह ने मेसी को टी20 वर्ल्ड कप टिकट, साइन की हुई जर्सी और बैट भेंट कीगोट इंडिया टूर के आखिरी चरण में आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने मेसी को भारत बनाम अमेरिका पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के टिकट भेंट किए। यह कार्यक्रम दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित हुआ, जिसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली भी मौजूद रहे। जय शाह ने मेसी को एक फ्रेम किया हुआ क्रिकेट बैट और टीम इंडिया की जर्सी भी भेंट की। मेसी के साथ मौजूद रोड्रिगो डी पॉल और लुइस सुआरेज को भी स्मृति चिन्ह दिए गए।

अंतर विभागीय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में 92 रनों से जीता संरक्षा विभाग

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे के लहरतारा रेलवे स्टेडियम में अंतर विभागीय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता 2025 के 13 वें मैच में संरक्षा विभाग ने 92 रनों से जीत हासिल की। हुए मैच में संरक्षा विभाग ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 210 रन बनाए। संरक्षा विभाग की तरफ से प्रमोद राय ने 29 गेंद पर चार सात चौके और एक छक्के की मदद से 45 रन, राकेश गुप्ता ने 17 गेंद पर छह चौके और एक छक्के की मदद से 38 रन तथा मंडल कीड़ा अधिकारी बालेंद्र पाल ने 30 गेंद पर चार चौके की मदद से 27 रन बनाए। इसके विरुद्ध चिकित्सा विभाग ने अतिरिक्त के रूप में 58 रन दिए और 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चिकित्सा विभाग की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 118 रन बना पाई, जिससे संरक्षा विभाग ने 92 रन से मैच जीत कर पूरे दो अंक अर्जित कर लिये। चिकित्सा विभाग की तरफ से डॉक्टर आशीष गुप्ता ने 17 बाल पर चार चौकों की मदद से 25 रन, सत्यनारायण ने 14 बाल पर चार चौके की मदद से 19 रन, विकास ने 16 और संजय ने 13 रन बनाए। संरक्षा विभाग की तरफ से मंडल सिंगलन एवं दूरसंचार इंजीनियर पुष्पेंद्र कुमार ने चार ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट, कलाम अली खान ने तीन ओवर में 13 रन देकर दो विकेट लिए, राकेश और प्रमोद को एक-एक विकेट प्राप्त हुआ।

वेंकटेश अय्यर ने खेली महत्वपूर्ण पारी, आईपीएल 2026 नीलामी से पहले लगाया अर्धशतक

नई दिल्ली : भारतीय ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर ने मंगलवार को पुणे के एंबी स्थित डीवाई पाटिल अकादमी में पंजाब के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट 2025 सुपर लीग ग्रुप ए मैच में मध्य प्रदेश के लिए 43 गेंदों पर 70 रन बनाकर अपनी काबिलियत का सही समय पर सबूत दिया। उनकी पारी में 8 चौके और 2 छक्के शामिल थे, जिससे मध्य क्रम में मैच की गति को नियंत्रित करने की उनकी क्षमता साबित हुई। यह प्रदर्शन IPL 2026 की नीलामी से कुछ घंटे पहले आया, जो मंगलवार को अबू धाबी के एतिहाद एरिना में होने वाली है, जिससे यह पारी और भी महत्वपूर्ण हो गई। फ्रेंचाइजी अपने विकल्पों पर फिर से विचार कर रही हैं, ऐसे में वेंकटेश का यह शानदार प्रदर्शन बिल्कुल सही समय पर आया है। वेंकटेश 2021 में कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ अपने प्रभावशाली IPL डेब्यू सीजन के बाद राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आए। एक ऐसा अभियान जिसने उन्हें भारतीय टीम में जगह दिलाई और उन्हें घरेलू सर्किट में सबसे होनहार ऑलराउंडरों में से एक के रूप में पहचान दिलाई। उनका उदय इससे पहले 2020-21 के लिमिटेड-ओवर्स सीजन के दौरान मध्य प्रदेश के लिए शानदार प्रदर्शन के साथ शुरू हुआ था।

22 गेंद पर 73 रन, सरफराज खान ने राजस्थान के खिलाफ मुंबई को दिलायी जीत

एजेंसी

पुणे । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए होने वाली मिनी नीलामी से पहले दाएं हाथ के बल्लेबाज सरफराज खान ने विस्फोटक पारी खेलते हुए अपनी टीम मुंबई को एक बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दिलवायी है। पिछली नीलामी में अनसोल्ड रहे सरफराज के लिए यह पारी आईपीएल 2026 नीलामी में अहम भूमिका निभा सकती है। पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कप्तान शार्दुल ठाकुर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। राजस्थान ने 4 विकेट के नुकसान पर 216 रन बनाए थे। मुकुल चौधरी ने 28 गेंद पर 3 छक्के और 4 चौकों की मदद से 54, दीपक हुड्डा ने 31 गेंद पर 3 छक्के और 4 चौकों की मदद से 51, और रामनिवास गोलाडा ने 29 गेंद पर 48 रन की पारी खेली।

महिपाल लोमरोर ने 24 गेंद पर 39 रन बनाए। 217 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई को चौथे ओवर की आखिरी गेंद पर यशस्वी जायसवाल के रूप में बड़ा झटका लगा था। जायसवाल मात्र 15 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद अजिंक्य रहाणे के साथ मिलकर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे सरफराज खान ने राजस्थान के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की।

सरफराज ने मात्र 22 गेंद पर 7 छक्के और 6 चौकों की मदद से 73 रन की पारी खेली। इस दौरान सरफराज ने 15 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया। टी20 फॉर्मेट का यह उनका सबसे तेज अर्धशतक है। सरफराज ने रहाणे के साथ दूसरे विकेट के लिए 111 रन की विस्फोटक साझेदारी कर टीम की जीत की मजबूत नींव रखी।

अजिंक्य रहाणे 41 गेंद पर 3 छक्के और 7 चौकों की मदद से 72 रन बनाकर नाबाद रहे। अथर्व आंकोलेकर ने भी 9 गेंद पर 3 छक्के और 1 चौके की मदद से 26 रन की पारी खेली। मुंबई ने 18.1 ओवर में 7 विकेट पर 217 रन बनाकर मैच 3 विकेट से जीत लिया।

IPL AUCTION 2026 : कैमरन ग्रीन को चयक्रने 25.20 करोड़ में खरीदा, सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बने

एजेंसी

अबू धाबी। में IPL 2026 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी शुरू हो चुकी है, जिसमें 77 स्लॉट भरे जाने हैं. इनके लिए 369 खिलाड़ियों पर बोली लग रही है। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन IPL इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें मंगलवार को अबु धाबी में चल रहे मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 25.20 करोड़ रुपए में खरीदा। ग्रीन ने अपने ही देश के मिचेल स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा। उन्हें 2024 में चयक्र ने ही 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। पहले सेट में 6 प्लेयर्स ऑक्शन पूल पर लाए गए। इसमें से 2 ही बिके। डेविड मिलर को दिल्ली कैपिटल्स ने 2 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा। जेक फ्रेजर-मैकगर्क, डेवोन कॉन्वे, सरफराज खान और पृथ्वी शॉ अनसोल्ड रहे हैं। उन पर किसी ने बोली नहीं लगाई।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी: पंजाब ने रोमांचक मुकाबले में मध्य प्रदेश को दो विकेट से हराया

एजेंसी

पुणे। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 के सुपर लीग ग्रुप-ए मुकाबले में पंजाब ने मध्य प्रदेश के खिलाफ एक बेहद रोमांचक मैच में दो विकेट से शानदार जीत दर्ज की। मंगलवार को पुणे के डीवाई पाटिल अकादमी में खेले गए इस हाई-स्कोरिंग मुकाबले में पंजाब ने 226 रनों का बड़ा लक्ष्य अंतिम ओवर में हासिल कर लिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए मध्य प्रदेश ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 225 रन बनाए। टीम की पारी की धुरी वेंकटेश अय्यर रहे, जिन्होंने 43 गेंदों में 8 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 70 रन की आक्रामक पारी खेली। शुरुआती विकेट गिरने के बावजूद उन्होंने रन गति बनाए रखी। अंत के ओवरों में अनिकेत वर्मा (16 गेंदों में 31 रन) और मंगेश यादव (12 गेंदों में 28 रन) ने तेज रन बटोरते हुए स्कोर को मजबूत किया। पंजाब की ओर से गेंदबाजी में गुरनूर बराड़ (3/45) और रमनदीप सिंह (2/38) सबसे सफल रहे। हालांकि, मध्य प्रदेश के बल्लेबाजों

की आक्रामकता के चलते दोनों गेंदबाजों को 40 से अधिक रन खर्च करने पड़े। 226 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की शुरुआत धमाकेदार रही। ओपनर हरनूर सिंह ने 36 गेंदों में 64 रन की तेज पारी खेलकर टीम को मजबूत आधार दिया। इसके बाद मध्यक्रम में सलील अरोड़ा ने 29 गेंदों में 50 रन बनाकर पारी को संभाले रखा, जबकि अनमोलप्रीत सिंह ने मात्र 14 गेंदों में 38 रन की विस्फोटक पारी खेली। मैच का रोमांच अंतिम ओवरों में चरम पर पहुंच गया।

रमनदीप सिंह ने दबाव में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 21 गेंदों में 35 रन बनाए और टीम को जीत के करीब ले आए। अंतिम 12 गेंदों में 23 रन चाहिए थे, जहां रमनदीप ने 19वें ओवर में 17 रन बटोरे और अंतिम ओवर की पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर पंजाब को जीत दिला दी। अपने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए रमनदीप सिंह को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। इस जीत के साथ पंजाब ने टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी को और मजबूत कर लिया।

दुबई एशियन यूथ पैरा गेम्स 2025: भारतीय खिलाड़ियों ने जीते 8 स्वर्ण पदक

एजेंसी

नई दिल्ली । दुबई में 7 से 14 दिसंबर तक आयोजित युवा एशियाई पैरा गेम्स में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 17 मेडल जीते। इसमें 8 स्वर्ण, 3 रजत और 6 कांस्य पदक थे। भारत की तरफ से जतिन आजाद ने एसयू5 श्रेणी में 2 स्वर्ण पदक जीते। पहले उन्होंने पुरुष एकल का खिताब जीता और फिर शिवम यादव के साथ पुरुष डबल्स में स्वर्ण पदक जीता। जतिन आजाद ने कहा, 'मैं सभी चैंपियनशिप में खेलना चाहता हूं, और ज्यादा अनुभव और एक्सपोजर हासिल करना चाहता हूं। मुझे पता है कि मुझे लॉस एंजिल्स 28 पैरालिंपिक के लिए चुना जाएगा। ' आजाद ने कहा, 'हर किसी में शुरू करने की हिम्मत नहीं होती, लेकिन बस खेलो, अपना बेस्ट दो, अच्छी ट्रेनिंग करो, नतीजे मिलेंगे। ' हर्षित चौधरी ने भी स्वर्ण पदक जीता। हर्षित ने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है क्योंकि हम हर चीज के लिए तैयार थे। मैं और मेरे साझीदार सकारात्मक रहे। ' दुबई 2025 सभी भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए पहला एशिया युवा खेल था। इस इवेंट ने

खिलाड़ियों को एक बड़ा मंच उपलब्ध कराया है। लॉस एंजिल्स 2028 पैरालिंपिक के पहले पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए यह एक अहम इवेंट था। भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी ऐतिहासिक सफलता का जश्न मनाया। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार अच्छा कर रहे हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स हो या फिर ओलंपिक, भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों को जोरदार टक्कर दे रहे हैं और पदक जीत रहे हैं। ऐसे में पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों का दुबई में शानदार प्रदर्शन भारतीय बैडमिंटन की मजबूती और गहराई को दिखाता है। एशियाई पैरा गेम्स में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखने के बाद इस बात की उम्मीद की जा सकती है।

आईपीएल 2026 ऑक्शन से पहले दिल्ली कैपिटल्स का साफ संदेश- लक्ष्य तय, रणनीति मजबूत

एजेंसी

अबू धाबी। आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी तैयारियों और रणनीति को लेकर स्पष्ट संकेत दे दिए हैं। जेएसडब्ल्यू और जीएमआर की सह-मालिकाना फ्रेंचाइजी के सीईओ सुनील गुप्ता ने कहा कि टीम अपने लक्ष्यों को लेकर पूरी तरह स्पष्ट है और ऑक्शन में सोच-समझकर कदम उठाए जाएंगे।

टीम के कोर खिलाड़ियों को लेकर गुप्ता ने भरोसा जताते हुए कहा कि पिछले सीजन से एक मजबूत समूह को बरकरार रखा गया है। हालांकि दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ में जगह बनाने से थोड़ा चूक गई थी, लेकिन उस अभियान से मिले अनुभवों को टीम ने गंभीरता से लिया है। उनका कहना था कि सीख के साथ टीम एक बार फिर नए जोश के साथ अपने उद्देश्यों को हासिल करने के लिए मैदान में उतरेगी। नीलामी से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान

रॉयल्स के साथ एक अहम ट्रेड भी पूरा किया है। इस सौदे के तहत अनुभवी बाएं हाथ के बल्लेबाज नितीश राणा टीम से जुड़े हैं, जबकि डोनोवन फरेरा को राजस्थान भेजा गया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सुनील गुप्ता ने कहा कि नितीश का आईपीएल अनुभव, घरेलू परिस्थितियों की समझ और अलग-अलग भूमिकाओं में उनका योगदान, उन्हें टीम के लिए उपयुक्त बनाता है। उन्होंने इसे 'घर वापसी' बताते हुए राणा का स्वागत किया। आईपीएल 2026 ऑक्शन से पहले दिल्ली कैपिटल्स के पास 21.80 करोड़ रुपये की शेष राशि है और टीम को आठ स्लॉट भरने हैं, जिनमें पांच विदेशी खिलाड़ियों के स्थान शामिल है। गुप्ता ने बताया कि टीम की स्काउटिंग प्रक्रिया काफी पहले से चल रही है और खिलाड़ियों को लेकर प्राथमिकताएं तय कर ली गई हैं।उन्होंने यह भी कहा कि ऑक्शन में आक्रामकता जरूरी होती है, लेकिन हालात के अनुसार लचीलापन भी उतना ही अहम है। दिल्ली कैपिटल्स प्रबंधन को भरोसा है कि नीलामी के जरिए टीम की बाकी जरूरतों को पूरा कर एक संतुलित और प्रतिस्पर्धी स्क्वॉड तैयार किया जाएगा।ग्रुप की प्रमुख पहल है, जिसे खेलों में 30 वर्षों का अनुभव हासिल है। यह संस्था ओलंपियन, पैरालंपियन और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को तैयार करने का रिकॉर्ड रखती है। मैनचेस्टर सिटी फुटबॉल स्कूल की शुरुआत के साथ जैन स्पोर्ट्स ने भारत में युवा फुटबॉल प्रतिभाओं को निखारने की दिशा में एक मजबूत कदम बढ़ाया है।

वाराणसी में दिव्यांग क्रिकेट दिव्य शक्ति सुगम्य भारत ट्राफी 20 दिसंबर से

एजेंसी

वाराणसी। सुगम्य भारत अभियान को जन –जन तक पहुंचाने और जागरूकता अभियान को गति प्रदान करने के लिए छह राज्यों के दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ी वाराणसी में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए दिव्य शक्ति सुगम्य भारत ट्राफी टूर्नामेंट 20 दिसंबर से काशी हिंदू विश्वविद्यालय के एमपी थियेटर मैदान में आयोजित होगी। यह टूर्नामेंट 22 दिसंबर तक खेली जाएगी।

यह जानकारी ऑल इंडिया दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ उत्तम ओझा और महासचिव डॉ संजय चौरसिया ने संयुक्त रूप से दी। दोनों पदाधिकारियों ने बताया कि पहले यह टूर्नामेंट मुम्बई के वानखेड़े स्टेडियम में 16, 17 व 18 दिसंबर को खेली जानी थी। बीसीसीआई की ओर से इस दिव्यांग क्रिकेट मैच का आयोजन हो रहा है। टूर्नामेंट में शिरकत करने के लिए कई खिलाड़ी मुंबई पहुंच गए हैं। जिस वजह से वाराणसी में आयोजित होने वाले दिव्यांग क्रिकेट

टूर्नामेंट अब दिसंबर 20, 21 व 22 को होगा। पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में उत्तर प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश यादव बतौर मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लेंगे। इसमें देश के जाने-माने पूर्व क्रिकेटरों के भी आने की उम्मीद है।

बॉन्डी बीच गोलीबारी की घटना के बाद एडिलेड टेस्ट में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

एजेंसी

एडिलेड । ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच एडिलेड ओवल में खेला जाना है। इससे पहले प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी करने का ऐलान किया है। यह फैसला सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुई गोलीबारी की घटना के बाद लिया गया है। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के स्टेट प्रीमियर पीटर मलिनाउस्कस ने बताया कि स्टेडियम के आसपास अतिरिक्त सुरक्षा नियम लागू किए जाएंगे। इनमें राइफल से लैस पुलिसकर्मियों की तैनाती भी शामिल होगी। उन्होंने कहा कि सिडनी की घटना को देखते हुए यह कदम एहतियात के तौर पर उठाया गया है और फिलहाल सतर्क रहना जरूरी है। डेली मेल के हवाले से मलिनाउस्कस ने कहा, 'सिडनी में हुई घटनाओं को देखते हुए, एडिलेड ओवल में

अतिरिक्त प्रोटोकॉल लागू किए जाएंगे। यह सिर्फ़ एहतियात के तौर पर किया जा रहा है, लेकिन यह सही है कि इस समय हम ज़्यादा सतर्क रहें। ' बॉन्डी बीच पर यह हमला एक यहूदी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान हुआ था, जिसमें दो लोगों ने गोलीबारी की। इस घटना में 16 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए। हमलावरों को जल्द ही पकड़ लिया गया, जिनमें से एक की मौत हो गई और दूसरा अस्पताल में गंभीर हालत में है। इस घटना के बाद दक्षिण ऑस्ट्रेलिया पुलिस आयुक्त ग्रांट स्टीवंस ने बताया कि मैच के दौरान एडिलेड ओवल के आसपास विशेष रूप से प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे, जो किसी भी आपात स्थिति से निपटने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस की मौजूदगी लोगों की सुरक्षा के लिए जरूरी है।

हालांकि, अधिकारियों ने साफ किया है कि फिलहाल क्रिकेट मैच या अन्य सार्वजनिक कार्यक्रमों पर किसी बड़े खतरे के संकेत नहीं मिले हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने संयुक्त बयान जारी कर इस हमले पर गहरा दुख जताया है और पीड़ितों व उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सम्मान के तौर पर मैच शुरू होने से पहले एक मिनट का मौन रखा जाएगा और दोनों टीमों के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरेंगे।

पांच मैचों की इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया फिलहाल 2-0 से आगे है और तीसरा टेस्ट जीतकर एशेज ट्रॉफी अपने पास बनाए रखने की कोशिश करेगा।

एशेज : एडिलेड टेस्ट के लिए कमिंस, लियोन की ऑस्ट्रेलियाई प्लेइंग-11 में वापसी, ख्वाजा बाहर

एजेंसी

एडिलेड । कप्तान पैट कमिंस और अनुभवी स्पिन गेंदबाज नाथन लायन की अहम तीसरे टेस्ट मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन में वापसी हो गई है। एशेज सीरीज का यह मैच एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। गाबा टेस्ट में आठ विकेट से जीत दर्ज करने वाली टीम से दो खिलाड़ियों को बाहर किया गया है। इनमें ऑलराउंडर माइकल नेसर सबसे ज्यादा दुर्भाग्यशाली रहे, जबकि तेज गेंदबाज ब्रेंडन डॉजेट को भी टीम से बाहर बैठना पड़ा। नेसर ने गाबा में शानदार बॉलिंग की थी। पैट कमिंस के लिए यह टेस्ट साल के बीच में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए मैच के बाद पहला टेस्ट होगा। कमिंस ने कहा कि वह पूरी तरह फिट हैं और गेंदबाजी में किसी तरह की ओवर की सीमा नहीं होगी। उन्होंने बताया कि अगर वह ब्रिस्बेन टेस्ट में खेलते, तो शायद कम ओवर फेंकते, लेकिन इस मैच में वह सामान्य टेस्ट की तरह पूरी क्षमता से खेलेंगे। अनुभवी सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को एक बार फिर टीम में जगह नहीं मिली। चयनकर्ताओं ने सलामी जोड़ी के रूप में ट्रेविस हेड और जेक वेदराल्ड पर भरोसा बनाए रखा है। विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिस भी टीम में बने हुए हैं और वह सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। कमिंस ने साफ किया कि उस्मान ख्वाजा का अंतरराष्ट्रीय करियर खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि ख्वाजा टीम के लिए हमेशा तैयार रहने वाले खिलाड़ी हैं। कमिंस ने यह भी बताया कि ब्यू वेब्स्टर, माइकल नेसर और ब्रेंडन डॉजेट जैसे कई खिलाड़ी इस सीरीज में बाहर रह गए हैं, लेकिन सभी ने टीम के माहौल को सकारात्मक बनाए रखा है। एशेज सीरीज जीतने के लिए मजबूत टीम और बड़ा स्क्वाड जरूरी होता है।बता दें एशेज पांच मैचों की टेस्ट सीरीज है, जिसमें मेजबान ऑस्ट्रेलिया को बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड को हर मोर्चे पर मात देते हुए शुरुआती दोनों टेस्ट मैचों में जीत दर्ज की है। तीसरा टेस्ट जीतने के साथ ही ऑस्ट्रेलिया को एशेज में अजेय बढ़त मिल जाएगी। ऐसे में इंग्लैंड के सामने 'करो या मरो' की चुनौती है। ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग-11: ट्रेविस हेड, जेक वेदरल्ड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), जोश इंग्लिस, पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड

पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेट कप्तान अर्जुन रणतुंगा की होगी गिरफ्तारी

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका को वर्ष 1996 में क्रिकेट विश्व कप जिताने वाली टीम के कप्तान और पूर्व पेट्रोलियम मंत्री अर्जुन रणतुंगा को भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाएगा। यह जानकारी बीबीसी न्यूज़ सिंहला के हवाले से सामने आई है। कोलंबो मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सिलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (सीपीसी) के पूर्व अध्यक्ष और अर्जुन रणतुंगा के भाई धम्मिका रणतुंगा को रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के मामले में जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। धम्मिका रणतुंगा को भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोपों की जांच के लिए गठित आयोग ने गिरफ्तार किया था। जांच आयोग ने अदालत को बताया कि इस मामले में पूर्व पेट्रोलियम मंत्री अर्जुन रणतुंगा को संदिग्ध के रूप में पहचाना गया है और उन्हें गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाएगा।

धम्मिका रणतुंगा पर आरोप है कि उन्होंने 2017-2018 के दौरान ईंधन की खरीद के लिए जारी तीन दीर्घकालिक (लॉन्ग-टर्म) टेंडरों को रद्द कर दिया और उनकी जगह अधिक कीमत वाले स्थानीय टेंडर लागू किए। इसके कारण सिलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन को लगभग 80 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का नुकसान हुआ। फिलहाल मामले की जांच जारी है और आगे की कानूनी कार्रवाई की प्रतीक्षा की जा रही है।

मैनचेस्टर सिटी और जैन स्पोर्ट्स की साझेदारी, भारत में खुला नया फुटबॉल स्कूल

बेंगलुरु। इंग्लिश फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर सिटी और जैन स्पोर्ट्स ने भारत में एक नए मैनचेस्टर सिटी फुटबॉल स्कूल की शुरुआत की है। यह फुटबॉल स्कूल जैन स्पोर्ट्स के जैन ग्लोबल कैंपस में स्थापित किया गया है, जो देश के प्रमुख शिक्षा समूहों में शामिल जेजीआई ग्रुप के स्वामित्व में है। इस पहल को जैन स्पोर्ट्स के दीर्घकालिक खेल विकास विज़न की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इस सहयोग के तहत युवा खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय फुटबॉल प्रशिक्षण देने पर जोर दिया जाएगा, जिसमें मैनचेस्टर सिटी की प्रसिद्ध खेल दर्शन शैली और जैन स्पोर्ट्स की उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग, अकादमिक संतुलन, आधुनिक बुनियादी ढांचे और समग्र खिलाड़ी विकास की सोच को जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों को मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों स्तरों पर बेहतर बनाना है।

फुटबॉल स्कूल के माध्यम से छात्रों को ऐसी प्रशिक्षण पद्धतियां उपलब्ध कराई जाएंगी, जिन्होंने मैनचेस्टर सिटी को इंग्लैंड, यूरोप और वैश्विक मंच पर सफलता दिलाई है। कार्यक्रम में तकनीकी कौशल, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता और पढ़ाई

के साथ खेल में संतुलन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सिटी फुटबॉल ग्रुप की फुटबॉल एजुकेशन, रिक्रिएशन और पार्टनर क्लब्स की मैनेजिंग डायरेक्टर जॉर्जिना बुसेट्स ने कहा कि भारत में युवा खिलाड़ियों तक मैनचेस्टर सिटी की फुटबॉल शिक्षा पहुंचाना उनके लिए खुशी की बात है। उन्होंने बताया कि यह साझेदारी खेल के माध्यम से युवाओं के सर्वांगीण विकास के साझा लक्ष्य को दर्शाती है। वहीं, जेजीआई ग्रुप के चेयरमैन डॉ. चेनराज रॉयचंद ने इसे भारत में एक समग्र खेल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की दिशा में अहम उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि मैनचेस्टर सिटी की वैश्विक स्तर पर सराही गई यूथ डेवलपमेंट प्रणाली और आधुनिक कोचिंग दर्शन भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अवसर प्रदान करेगा। बेंगलुरु स्थित जैन स्पोर्ट्स, जेजीआई ग्रुप की प्रमुख पहल है, जिसे खेलों में 30 वर्षों का अनुभव हासिल है। यह संस्था ओलंपियन, पैरालंपियन और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को तैयार करने का रिकॉर्ड रखती है। मैनचेस्टर सिटी फुटबॉल स्कूल की शुरुआत के साथ जैन स्पोर्ट्स ने भारत में युवा फुटबॉल प्रतिभाओं को निखारने की दिशा में एक मजबूत कदम बढ़ाया है।

देश का निर्यात नवंबर में 19.37 फीसदी बढ़कर 38.13 अरब डॉलर हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। देश का निर्यात नवंबर में 19.37 फीसदी बढ़कर 38.13 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इस दौरान आयात 1.88 फीसदी घटकर 62.66 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि नवंबर महीने में देश का निर्यात 19.37 फीसदी बढ़कर 38.13 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इस दौरान आयात 1.88 फीसदी घटकर 62.66 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया, जबकि नवंबर महीने में व्यापार घाटा 24.53 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि नवंबर में हुए निर्यात ने इस वर्ष अक्टूबर में हुए नुकसान की भरपाई कर दी है। उन्होंने कहा कि नवंबर में 38.13 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात पिछले 10 वर्ष में सबसे ज्याद है। गौरतलब है कि अप्रैल से नवंबर के दौरान कुल निर्यात 2.62 फीसदी बढ़कर 292.07 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि इन 8 महीनों में आयात 5.59 फीसदी बढ़कर 515.21 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।

अनिल अंबानी समूह मामले में यस बैंक के सीईओ राणा कपूर से ईडी ने की पूछताछ

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह की कंपनियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत यस बैंक के सह-संस्थापक और पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राणा कपूर से पूछताछ की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अनिल अंबानी ग्रुप की कंपनियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में यस बैंक के पूर्व सीईओ राणा कपूर से प्रवर्तन निदेशालय के हेडक्वार्टर में पूछताछ की जा रही है। राणा कपूर के बयान धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत दर्ज किए जा रहे हैं। केंदीय जांच एजेंसी की यह पूछताछ 2017-2019 की अवधि से संबंधित है, जब यस बैंक ने कथित तौर पर रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) में 2,965 करोड़ रुपये और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) में 2,045 करोड़ रुपये का निवेश किया था। एजेंसी ने दावा किया कि दिसंबर, 2019 तक ये निवेश नॉन-परफॉर्मिंग इन्वेस्टमेंट बन गए थे।

महंगाई के मोर्चे पर राहत, थोक महंगाई दर नवंबर महीने में -0.32 फीसदी पर

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को मामूली राहत मिली है। नवंबर महीने में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर में बढ़त देखने को मिली है। इस दौरान थोक महंगाई घटकर (-) 0.32 फीसदी पर आ गई, जबकि अक्टूबर में यह (-) 1.21 फीसदी पर थी। नवंबर, 2024 में 2.16 फीसदी रही थी।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि खाद्य पदार्थों, खनिज तेलों, कच्चे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, बुनियादी धातुओं के उत्पादन और बिजली आदि की कीमतों में कमी इसकी मुख्य वजह रही। आंकड़ों के अनुसार नवंबर में खाद्य पदार्थों की महंगाई दर 4.16 फीसदी रही, जबकि अक्टूबर में यह 8.31 फीसदी थी।

सब्जियों की महंगाई दर 20.23 फीसदी रही, जो अक्टूबर में 34.97 फीसदी थी। आंकड़ों के मुताबिक दालों की कीमतों में नवंबर में 15.21 फीसदी की कमी आई, जबकि आलू तथा प्याज की कीमतें क्रमशः 36.14 फीसदी और 64.70 फीसदी घटीं। इसके अलावा विनिर्मित उत्पादों के मामले में नवंबर में महंगाई घटकर 1.33 फीसदी हो गई, जबकि अक्टूबर में यह 1.54 फीसदी थी। इस दौरान ईंधन तथा बिजली की कीमतों की महंगाई दर 2.27 फीसदी रही, जो अक्टूबर में 2.55 फीसदी थी।

आर्याडॉटएजी का मुनाफा पहली छमाही में 39 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। एग्रोटेक कंपनी आर्याडॉटएजी का शुद्ध मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान 39 प्रतिशत बढ़कर 32 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की समान छमाही में कंपनी ने 23 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। कंपनी ने वित्तीय परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि छमाही के दौरान उसका राजस्व 28 प्रतिशत बढ़कर 451 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी किसानों को अनाजों के भंडारण की सुविधा प्रदान करती है। साथ ही वह उन्हें ऋण भी उपलब्ध कराती है। इसके अलावा, उपग्रह से फसलों की निगरानी और खेती संबंधी सलाह देने के कारोबार में भी है। कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि

उसकी भंडारण सुविधा में आने वाले अनाज की मात्रा पहली छमाही में 40 प्रतिशत बढ़ी है। फिनटेक कारोबार 50 प्रतिशत बढ़कर 1,301 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह पिछले साल इसी अवधि में 869 करोड़ रुपये रहा था। वहीं, दिये गये कर्ज में सालाना आधार पर 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह 987 करोड़ रुपये हो गया है। कॉमर्स कारोबार सितंबर में 330 करोड़ रुपये और छमाही में 2,438 करोड़ रुपये रहा।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी का आईपीओ 2.1 गुना सब्सक्राइब

एजेंसी

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बोली लगाने के दूसरे दिन 2.11 गुना सब्सक्राइब हुआ है, जो इस इश?यू के लिए नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों और क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल खरीदारों की मजबूत मांग को दर्शाता है।स्टॉक एक्सचेंजों पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक इस इश?यू को ऑफर किए गए 3,50,15,691 इक्विटी शेयरों के मुकाबले 7,38,73,206 बोलियां मिलीं। वहीं, आईपीओ का खुदरा हिस्सा और गैर-संस्थागत पोषण क्रमशः 0.83 और 3.79 गुना सब्सक्राइब हुआ, जबकि योग्य संस्थागत निवेशक 2.91 गुना सब्सक्राइब हुए हैं। ये इश्यू 12

दिसंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला, निवेशक इसे 16 दिसंबर तक सब्सक्राइब किया जा सकता है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड का ये आईपीओ कुल 10,602.65 करोड़ रुपये का है और यह पूरी तरह से फ्रेश शेयर इश्यू पर आधारित है। कंपनी 4.90 करोड़ शेयर जारी करेगी। कंपनी को इस प्रस्ताव से कोई पूंजी प्राप्त नहीं होगी और प्राप्त राशि विक्रयकर्ता शेयरधारक को जाएगी। इस निर्गम का आधा हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए, 35 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए और शेष 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी अपने सेक्टर में मजबूत स्थिति बनाए हुए है, जिससे निवेशकों के लिए यह आईपीओ और आकर्षक बन गया है। ये कंपनी एक्टिव म्यूचुअल फंड क्वार्टरली एवरेज एसेट्स अंडर मैनेजमेंट के मामले में देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी है, जिसका मार्केट शेयर 30 सितंबर, 2025 तक 13.3 फीसदी था।

सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने साझा की देश के ऊर्जा क्षेत्र में हुए विकास की उपलब्धियां

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के चांदनी चौक सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने देश के ऊर्जा क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व विकास और उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने यहां आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि भारत आज ऊर्जा उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, ट्रांसमिशन नेटवर्क, कोयला, तेल-गैस और परमाणु ऊर्जा हर क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। खंडेलवाल ने बताया कि देश की कुल स्थापित बिजली क्षमता 505 गीगावाट तक पहुंच चुकी है, जिसमें गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों की हिस्सेदारी लगभग 50 फीसदी हो गई है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के विज़न की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि वित?त वर्ष 2024-25 में कुल बिजली उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसमें नवीकरणीय एवं गैर-जीवाश्म स्रोतों से उत्पादन की हिस्सेदारी सबसे अधिक रही। सौर ऊर्जा क्षमता 2014 के 2.82 गीगावाट से बढ़कर लगभग 130 गीगावाट के करीब पहुंच चुकी है, जो 40 गुना से अधिक वृद्धि को दर्शाती है। पवन, जलविद्युत और जैव-ऊर्जा क्षेत्रों में भी निरंतर विस्तार हुआ है। खंडेलवाल ने बताया कि ट्रांसमिशन सेक्टर में भी रिकॉर्ड प्रगति हुई है, जहां एक ही वर्ष में हजारों सर्किट किलोमीटर नई लाइनों और बड़ी ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता को जोड़ा गया। इससे देश के दूर-दराज़ क्षेत्रों तक निर्बाध बिजली आपूर्ति संभव हो पाई है। परमाणु ऊर्जा पर बोलते हुए खंडेलवाल ने कहा कि भारत की परमाणु क्षमता में निरंतर वृद्धि हो रही है और आने वाले वर्षों में स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (स्म्र्क्र) तथा स्वदेशी तकनीक से बने नए रिएक्टर देश की ऊर्जा सुरक्षा को और मज़बूत करेंगे।

बी. साईराम ने कोल इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक का संभाला कार्यभार

एजेंसी

नई दिल्ली। बी. साईराम ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक का कार्यभार संभाल लिया है। इससे पहले वह नार्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के पद पर कार्यरत थे।सीआईएल ने शेयर बाजार को मंगलवार को सीएमडी पद का कार्यभार संभालने की जानकारी दी। शेयर बाजार को दी सूचना के मुताबिक बी. साईराम ने कोयला विभाग के अतिरिक्त सचिव सनोज कुमार झा का स्थान लिया है। झा ने 31 अक्टूबर को पीएम प्रसाद की सेवानिवृत्ति के बाद एक नवंबर से सीआईएल के अंतरिम चेयरमैन का कार्यभार संभाला था। बी. साईराम ने 15 दिसंबर से कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के चेयरमैन-सह-प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण किया। भारत के घरेलू कोयला उत्पादन में कोल इंडिया की 80 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी है।

कोल इंडिया चेयरमैन बी. साईराम ने कार्यभार संभालने के बाद एक बयान में ऑपरेशनल एक्सीलेंस हासिल करने पर टीम मेंबर्स के साथ अपना विजन शेयर किया। उन्होंने घरेलू ऊर्जा की बढ़ती मांग के बीच कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के रिकॉर्ड उत्पादन लक्ष्य हासिल करने के लिए अपने प्रयास तेज करने के घोषणा की। उन्होंने सब्सिडियरी कंपनियों के सीएमडी के साथ एक वर्चुअली बैठक की, जिसमें सुरक्षा और गुणवत्ता के नियमों का पालन करते हुए इस साल के कोयला उत्पादन लक्ष्यों को हासिल करने का आह्वान किया। बैठक में डायरेक्टर (एचआर) डॉ. विनय रंजन, डायरेक्टर (मार्केटिंग) मुकेश चौधरी, डायरेक्टर (फाइनेंस) मुकेश अग्रवाल और डायरेक्टर (टेक्निकल) अच्युत घटक शामिल हुए।

चालू वित्त वर्ष के लिए 1.32 लाख करोड़ की पहली अनुपूरक अनुदान मांगों को लोकसभा की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1,32,268.85 लाख करोड़ रुपये की पहली अनुपूरक अनुदान मांगों को मंजूरी प्रदान कर दी। इसके साथ ही लोकसभा ने वर्ष 2025-26 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगें-प्रथम बैच और संबंधित विनियोग (संख्याक 4) विधेयक, 2025 को भी अपनी मंजूरी दे दी।

इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद के निचले सदन लोकसभा में इस विधेयक को पेश किया। सीतारमण ने सदन में विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि पिछले एक दशक में विकास व्यापक हो गया है।

उन्होंने सदन में चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान अतिरिक्त खर्च के लिए मंजूरी मांगते हुए कहा कि अच्छे मॉनसून और एक और फसल की संभावना को देखते हुए किसानों की तरफ से यूरिया की मांग बढ़ गई है। केंद्र सरकार ने अतिरिक्त 1.32 लाख करोड़ रुपये खर्च करने की अनुमति मांगी है।

इसमें 41,455.39 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च शामिल है, जिसमें से 90,812.17 करोड़ रुपये का खर्च दूसरे क्षेत्रों में की गई बचत से आएगा। इसके अलावा उर्वरकों पर बढ़ा हुआ खर्च 45 फीसदी यानी 18,525.1 करोड़ रुपये है, जो पूरक अनुदान की नवीनतम मांग में मांगे गए अतिरिक्त नकदी खर्च का हिस्सा है। इस विधेयक के पास होने से इसके माध्यम से वित्त वर्ष 2025-26 में सेवाओं के लिए भारत की समेकित निधि से अतिरिक्त व्यय के भुगतान और विनियोजन को अधिकृत किया जाएगा।

साहसिक सोच और अथक प्रयासों ने भारत के ऊर्जा क्षेत्र को बदल दियाः पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत के ऊर्जा क्षेत्र के पिछले 11 वर्षों का सफर इस बात का सबूत है कि साहसिक दृष्टिकोण, ईमानदार इरादे और लगातार काम करने से किसी देश की किस्मत बदली जा सकती है।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए यह बात कही। पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि पत्रकार साथियों के साथ देश के ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनकारी यात्रा को साझा किया। उन्होंने बताया कि 2014 से पहले ऊर्जा क्षेत्र घोटालों, चुनौतियों और सीमित आपूर्ति से जूझ रहा था, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में निर्णायक प्रगति कर रहा है। गोयल ने संवाददातों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में रिकॉर्ड कोयला उत्पादन,

सौर एवं पवन ऊर्जा में अभूतपूर्व विस्तार, मजबूत पावर ग्रिड, हर घर बिजली व गैस सिलेंडर और विस्तृत गैस पाइपलाइन नेटवर्क जैसी उपलब्धियां मोदी सरकार की जनसेवा, अंत्योदय और ईमानदार नीतिगत प्रयासों का परिणाम हैं। उन्?होंने कहा कि हमारे पावर सेक्टर ट्रांसफॉर्मेशन के 5 स्तंभ हैं, जिसमें सभी तक पहुंच, किफायती, उपलब्धता, वित्तीय व्यवहार्यता और स्थिरता तथा वैश्विक जिम्मेदारी प्रमुख है। उन्होंने कहा कि हमारे नेशनल पावर ग्रिड की वजह से भारत डेटा सेंटर्स के लिए एक पसंदीदा जगह है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर कहा कि देश न सिर्फ भारत के लौह पुरुष को याद करता है, बल्कि एक ऐसे दूरदर्शी नेता को भी याद करता है जो चाहते थे कि देश राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक रूप से अपने पैरों पर खड़ा हो। उन्?होंने कहा कि कांग्रेस और यूपीए के कार्यकाल में भारत का ऊर्जा क्षेत्र ब्लैकआउट और पावर कट का प्रतीक बन गया था। जबकि, प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में सभी को सुचारू रूप से बिजली पहुंच रही है। गोयल ने अपने संबोधन में भरोसा जताया कि जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 की ओर बढ़ रहा है, देश का एनर्जी सेक्टर स्केल, स्पीड और सस्टेनेबिलिटी को एक साथ मैनेज करने में एक ग्लोबल केस स्टडी बनकर उभरेगा।

बीएचईएल ने सरकार को 109 करोड़ रुपये से ज्यादा का लाभांश चेक सौंपा

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण क्षेत्र की कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (बीएचईएल) ने केंद्र सरकार को 109 करोड़ रुपये से ज्यादा का लाभांश चेक सौंपा। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए लाभांश भुगतान वित्त वर्ष 2023-24 के भुगतान की तुलना में 100 फीसदी ज्यादा है।भारी उद्योग मंत्रालय के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी बीएचईएल ने केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी को 109.98 करोड़ रुपये का लाभांश चेक सौंपा। इस पर अवसर पर भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव, संयुक्त सचिव,

बीएचईएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और कार्यकारी निदेशक भी उपस्थित रहे।केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री ने इस अवसर पर अपने संबोधन में केंद्र सरकार की प्रमुख पहलों के जरिए विकसित भारत के निर्माण में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड से महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने एक अग्रणी भारी इंजीनियरिंग और विनिर्माण कंपनी के रूप में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड को 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की भी सलाह दी।

गाजियाबाद के इंदिरापुरम में देश का पहला ऑफलाइन एआई ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद के इंदिरापुरम में देश के पहले ऑफलाइन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट कैपओएसिस जूनियर की शुरुआत हो गई है। इस अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना का मूल उद्देश्य डिजिटल युग में शिक्षा को नई दिशा देना और छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की महत्ता से परिचित कराते हुए उन्हें समग्र तरीके से प्रशिक्षित करना है।इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर प्रवीण मिश्रा के मुताबिक संस्थान की शुरुआत छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखते हुए ऑफलाइन, हैंड्स-ऑन और प्रैक्टिकल लर्निंग के माध्यम से एआई की वास्तविक दुनिया से परिचित कराने के इरादे से की गई है।

उन्होंने बताया कि ये संस्थान छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और भविष्य की उभरती तकनीकों में दक्ष बनाकर उन्हें फ्यूचर-रेडी प्रोफेशनल बनाने की दिशा में कार्य करेगा। संस्थान की शुरुआत के मौके पर बताया गया कि ये केंद्र देश में अपनी तरह का पहला ऐसा ऑफलाइन एआई ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट है, जहां छात्रों को रियल-टाइम प्रोजेक्ट्स, प्रैक्टिकल एक्सपेरिमेंट्स और इंडस्ट्री-ओरिएंटेड ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी। इसका उद्देश्य हर छात्र की क्षमता को पहचान कर उसे तकनीकी रूप से सशक्त बनाना और उनके कौशल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जानकारों का मानना है कि कैपओएसिस जूनियर की ये पहल भारत को एआई लिटरेसी और टेक्नोलॉजी लीडर बनाने के सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है। प्रवीण मिश्रा का दावा है कि इस प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से युवा वर्ग को भविष्य की नौकरियों और तकनीकी चुनौतियों के लिए बेहतर रूप से तैयार किया जा सकेगा।

स्ट्रक्चरल प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी रेनी स्ट्रिप्स लाएगी आईपीओ, सेबी के समक्ष डीएचआरपी दाखिल

एजेंसी

नई दिल्ली। लुधियाना स्थित स्ट्रक्चरल स्टील प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी रेनी स्ट्रिप्स लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के अनुसार कंपनी अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए फंड जुटाने की योजना बना रही है, जिसमें 300 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और 12,000,000 इक्विटी शेयरों तक का ऑफर फॉर सेल शामिल है। रेनी स्ट्रिप्स लिमिटेड का यह ऑफर बुक बिल्डिंग प्रोसेस के जरिए किया जा रहा है। कंपनी के आईपीओ के माध्यम से पेश किए गए इक्विटी शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) लिमिटेड और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध होना प्रस्तावित है। कंपनी के जारी बयान के मुताबिक पैंटोमैथ कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड इस ऑफर के लिए एकमात्र बुक रनिंग लीड मैनेजर है। कंपनी का डीआरएचपी सेबी, बीएसई, एनएसई और बुक रनिंग लीड मैनेजर की वेबसाइट पर उपलब्ध है। रेनी स्ट्रिप्स, एक वर्टिकली इंटीग्रेटेड और सस्टेनेबिलिटी पर फोकस करने वाली, स्ट्रक्चरल प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी है, जो वैल्यू चेन में माइल्ड स्टील बिलेट्स, वायर रॉड्स, डिजाइन-ड्रिवन स्कैफोल्डिंग और फॉर्मवर्क सिस्टम सहित कई तरह के स्ट्रक्चरल प्रोडक्ट्स पेश करती है। इसका इस्तेमाल कई अलग-अलग इंडस्ट्री में होता है।

घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी के भाव 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक गिरे

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी के भाव में आज मामूली कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। आज इस चमकीली धातु की कीमत में सिर्फ 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। आज की इस कमजोरी के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 1,97,700 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 2,09,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली में आज चांदी की कीमत फिसल कर 1,97,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में भी चांदी 1,97,700 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 1,98,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं बेंगलुरु में चांदी 1,98,200 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 1,97,800 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत अभी भी चेन्नई और हैदराबाद में है, जहां ये चमकीली धातु आज 2,09,900 रुपये के स्तर पर पहुंची हुई है। कैपेक्स गोल्ड एंड इनवेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि चांदी के भाव में आज की गिरावट के बावजूद अभी भी मजबूती आने की संभावना बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत लगातार 58 डॉलर प्रति औंस के ऊपर बनी हुई है।

घरेलू शेयर बाजार ने निचले स्तर से की रिकवरी, मामूली गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। । घरेलू शेयर बाजार आज मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। हालांकि, पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इन दोनों सूचकांकों ने निचले स्तर से काफी हद तक रिकवरी कर ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.06 प्रतिशत और निफ्टी 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।आज दिन भर के कारोबार के बाद दौरान आईटी, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीददारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, टेलीकॉम, ऑटोमोबाइल और हेल्थ केयर सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी का जोर बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 65 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 470.95 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 470.29 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 66 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,449 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,239 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,031 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 179 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,851 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,488 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,363 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 375.91 अंक की कमजोरी के साथ 84,891.75 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक लुढक कर 84,840.32 अंक तक आ गया। पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स की चाल में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से शाम 3 बजे के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक निचले स्तर से 437 अंक से अधिक उछल कर 10.97 अंक की मामूली तेजी के साथ 85,278.63 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक कायम नहीं रह सकी। आखिरी वक्त में दिन के सौदों के निपटारे के कारण हुई बिकवाली की वजह से सेंसेक्स एक बार फिर लाल निशान में गिर कर 54.30 अंक की कमजोरी के साथ 85,213.36 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 116.90 अंक टूट कर 25,930.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये सूचकांक पहले आधे घंटे में ही गिर कर 25,904.75 अंक तक पहुंच गया।

जेन जी आंदोलन न्यायिक जांच के समक्ष नेपाली सेना के प्रधान सेनापति का बयान दर्ज

एजेंसी

काठमांडू। नेपाली सेना के प्रधान सेनापति जनरल अशोकराज सिग्देल ने जेन जी आंदोलन की जांच कर रहे केन्द्रीय आयोग के समक्ष बयान में कहा है कि सेना देश के वैधानिक एवं जिम्मेदार निकायों द्वारा निर्णय लिए बिना स्वयं से कोई कार्रवाई करने में सक्षम नहीं है।

जांच आयोग के समक्ष बयान में प्रधान सेनापति ने कहा कि 8 सितंबर को हुई हताहतों की घटनाओं के कारण आम जनता में तीव्र आक्रोश फैल गया था और सुबह होते ही हालात काबू से बाहर हो गए थे। सिग्देल के बयान में कहा गया, 'कम समय में, इतने छोटे स्थान पर इस प्रकार की घटना होने के बाद अगले ही दिन सुबह से स्थिति असामान्य और नियंत्रण से बाहर हो गई थी। यदि सुबह से ही स्थिति नियंत्रित करने के लिए कर्फ्यू लगाया गया होता, लेकिन उसे सुबह 10 बजे तक

सामान्य मानकर छोड़ दिया गया, तो सभी को बाहर निकलने का मौका मिल गया और हालात और भी बिगड़ गए।' उन्होंने यह भी कहा कि यदि सुबह करीब 10 बजे, जब स्थिति गंभीर रूप से बिगड़ चुकी थी, उस समय राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाकर आपातकाल या इसी तरह का कोई कदम उठाया गया होता, तो स्थिति को संभाला जा सकता था। उनके बयान में कहा गया कि 'देश के वैध और जिम्मेदार निकायों द्वारा निर्णय लिए बिना सेना स्वयं कार्रवाई नहीं कर सकती थी।' सिग्देल ने अपने बयान में यह भी कहा कि कई स्थानों पर सैनिकों ने वरिष्ठ अधिकारियों और सरकारी निकायों की सुरक्षा के लिए बार-बार प्रयास किए, लेकिन तब कठिन परिस्थितियों में फंसे कई पुलिसकर्मियों की जान बचाकर उनका उद्धार भी किया।

उनके बयान में यह भी कहा गया, 'यदि यह मान लिया जाए कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण से बाहर हो चुकी थी और सेना स्वयं तैनात हुई होती, तो बिना बल प्रयोग के हालात को नियंत्रित करना संभव नहीं था। बल प्रयोग से होने वाला नुकसान इससे कहीं अधिक भयावह हो सकता था, इसी कारण हमने संयम बरता।' प्रधान सेनापति सिग्देल ने साथ वरिष्ठ अधिकारियों की सुरक्षा से जुड़े तंत्र के प्रमुख सहित अन्य सैन्य अधिकारी भी आयोग के समक्ष बयान देने पहुंचे थे। आयोग के समक्ष दिए गए बयान में भी प्रधान सेनापति सिग्देल ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की संरचना और उसमें सेना की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में गठित सुरक्षा परिषद में रक्षा मंत्री, गृह मंत्री, विदेश मंत्री, वित्त मंत्री, मुख्य सचिव और प्रधान सेनापति सदस्य होते हैं, जबकि रक्षा सचिव सदस्य-सचिव के रूप में रहते हैं।

बांग्लादेश ने मुक्ति संग्राम के पराक्रमी योद्धाओं को पुष्पांजलि अर्पित करके किया नमन

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश ने आज 1971 के मुक्ति संग्राम के पराक्रमी योद्धाओं को किया नमन किया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने 55वें विजय दिवस के मौके पर ढाका के बाहरी इलाके सावर में राष्ट्रीय स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके मुक्ति संग्राम के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस साल 16 दिसंबर को ही भारतीय सेना के पराक्रम की वजह पाकिस्तान का विभाजन हुआ और दुनिया के मानचित्र में नए देश बांग्लादेश का अभ्युदय हुआ था। प्रो. यूनुस सुबह करीब 6:56 बजे राष्ट्रीय स्मारक की

वेदी पर पुष्पांजलि अर्पित की। दो मिनट का मौन भी रखा। इस मौके पर बांग्लादेश सेना, नौसेना और वायु सेना के जवानों की टुकड़ी ने राजकीय सलामी दी। इस मौके पर मुख्य न्यायाधीश, अंतरिम सरकार के सलाहकार, तीनों सेनाओं के प्रमुख, स्वतंत्रता सेनानी, राजनयिक और अधिकारी मौजूद रहे। विजय दिवस पर सभी क्षेत्रों के लोग शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए सावर स्मारक पर उमड़े। राष्ट्रीय स्मारक को प्रो. यूनुस के जाने के बाद जनता के लिए खोल दिया गया था। विजय दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्मारक के आसपास चार-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई। इलाके को 13 सेक्टर में बांटकर करीब 23 किलोमीटर लंबे हाइवे पर सुरक्षा सुनिश्चित की गई।

आईसीसी में इजराइल को झटका, गाजा युद्ध जांच रोकने की याचिका खारिज

द हेग। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) को इजराइल की ओर से बड़ा कानूनी झटका लगा है। आईसीसी की अपील पीठ ने गाजा युद्ध के दौरान कथित अपराधों की जांच रोकने से जुड़ी इजराइल की एक प्रमुख याचिका को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने साफ कर दिया कि जांच अपने निर्धारित दायरे में आगे जारी रहेगी। आईसीसी के अपील जजों ने निचली अदालत के उस फैसले को पलटने से इनकार कर दिया, जिसमें अभियोजन पक्ष को गाजा संघर्ष से जुड़े मामलों की जांच का अधिकार दिया गया था। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह जांच 07 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए हमले के बाद की घटनाओं को भी अपने दायरे में शामिल कर सकती है। इस फैसले का सीधा अर्थ यह है कि गाजा युद्ध को लेकर आईसीसी की जांच प्रक्रिया पर कोई रोक नहीं लगेगी। साथ ही, पिछले वर्ष जारी किए गए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी प्रभावी बने रहेंगे। आईसीसी के इस निर्णय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इससे यह संकेत मिलता है कि अदालत युद्ध से जुड़े कथित अपराधों की जांच में किसी भी दबाव के आगे झुकने को तैयार नहीं है। वहीं, इजराइल की ओर से इस फैसले पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

ऑस्ट्रिया में आतंकी चाकू हमला : सीरियाई युवक ने हत्या और आतंकवादी अपराध कबूले, किशोर की मौत

वियना। ऑस्ट्रिया के दक्षिणी शहर विलाख में हुए दिल दहला देने वाले चाकू हमले के मामले में गिरफ्तार सीरियाई युवक ने आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने और हत्या जैसे गंभीर अपराधों को स्वीकार कर लिया है। अभियोजकों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह हमला इस्लामिक स्टेट से जुड़ी कट्टरपंथी सोच से प्रेरित था, जिसका मकसद आम नागरिकों में भय फैलाना था। अभियोजन के अनुसार, 23 वर्षीय आरोपी को फरवरी में वारदात के तुरंत बाद गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान उसने माना कि उसने जानबूझकर हमला किया और उसका उद्देश्य आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट की विचारधारा के अनुरूप समाज में दहशत पैदा करना था। इस हमले में एक 14 वर्षीय किशोर की मौत हो गई थी, जबकि पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। हमले के दौरान एक अन्य सीरियाई नागरिक, जो पेशे से फूड डिलीवरी का काम करता है, ने साहस दिखाते हुए अपनी कार से हमलावर को टक्कर मार दी, जिससे आगे की हिंसा को रोका जा सका। अधिकारियों का कहना है कि यदि यह हस्तक्षेप नहीं होता तो हताहतों की संख्या और बढ़ सकती थी।

पूर्व प्रधानमंत्री माधव नेपाल से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में अदालत ने सभी दस्तावेज जमा करने का दिया निर्देश

काठमांडू। विशेष अदालत ने नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल के खिलाफ दायर भ्रष्टाचार मुकदमे से संबंधित सभी दस्तावेज प्रस्तुत करने का आदेश अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग को दिया है। यह आदेश काभ्रेपलाञ्चोक के सांगा स्थित पतंजलि योगपीठ को भूमि लेनदेन में कथित अनियमितताओं के संबंध में जारी किया गया है। आरोप है कि प्रधानमंत्री रहते हुए माधव कुमार नेपाल ने कानून के विपरीत भूमि अधिग्रहण में सहूलियत प्रदान की। हुई सुनवाई के बाद न्यायाधीश नारायण प्रसाद पौडेल और डिल्ली रत्न श्रेष्ठ की संयुक्त पीठ ने आयोग को माधव कुमार नेपाल के विरुद्ध अभियोजन का निर्णय लेने से संबंधित सभी फाइलें, शिकायतें और दस्तावेज पेश करने का निर्देश दिया। साथ ही अदालत ने 10 दिसंबर 2012 को लिए गए आयोग के निर्णय की प्रति भी मांगी है। अदालत के आदेश के अनुसार, आयोग को जांच से जुड़ी फाइलें, शिकायतें, सरकारी गवाहों और बचाव पक्ष के गवाहों की सूची विशेष सरकारी वकील के कार्यालय के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी। इसके अलावा, गवाहों को स्वयं उपस्थित होकर या वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालत के समक्ष बयान देने के लिए भी निर्देश दिया गया है।

कंबोडिया का आरोपः थाईलैंड ने अंगकोर मंदिरों वाले प्रांत पर किया हवाई हमला, सीमा संघर्ष और तेज

फ्नोम पेन्ह। कंबोडिया ने थाईलैंड पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि थाई सेना ने उसके क्षेत्र में गहराई तक घुसकर सीएम रीप प्रांत में बमबारी की है। यह वही प्रांत है, जहां विश्व प्रसिद्ध और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल अंगकोर मंदिर परिसर स्थित है। सीमा विवाद के नए दौर में यह पहली बार है जब इस प्रांत को निशाना बनाया गया है। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि 15 दिसंबर को एक थाई लड़ाकू विमान ने सीएम रीप प्रांत के स्रेई स्नाम जिले में एक विस्थापित नागरिक शिविर के पास बम गिराए। यह इलाका अंगकोर वाट मंदिर परिसर से दो घंटे से भी कम दूरी पर स्थित है। सूचना मंत्री नेथ फेकत्रा ने इसे हालिया संघर्ष के दौरान थाई सेना की अब तक की सबसे अंदरूनी कार्रवाई बताया, जो सीमा से 70 किलोमीटर से अधिक भीतर बताई जा रही है।

नेपाल में शुरू हुई बाघों की गणना, 2300 कैमरे लगाए गए

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल बाघों की सटीक संख्या का पता लगाने के लिए इस बार वैज्ञानिक पद्धति से बाघ की गणना सोमवार से शुरू की जाएगी। राष्ट्रीय उद्यान तथा वन्यजीव संरक्षण विभाग के अनुसार चितवन-पर्सा, बांके-बर्दिया और शुक्लाफांटा-लालझाड़ी कॉरिडोर को तीन ब्लॉक में विभाजित कर 2300 कैमरे लगाए गए हैं। इन ब्लॉकों के अंतर्गत राष्ट्रीय उद्यान, कॉरिडोर तथा आसपास के मध्यवर्ती संरक्षित क्षेत्र शामिल हैं। लगभग 8,400 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 2,300 तक ग्रिड बनाकर स्वचालित कैमरा ट्रैप लगाए जाएंगे। नेपाल में हर चार वर्ष में बाघों की गणना की जाती है। चितवन-पर्सा ब्लॉक में पहले चरण में कैमरे लगाकर गणना शुरू की जाएगी। वरिष्ठ पारिस्थितिकीविद् एवं राष्ट्रीय बाघ गणना तकनीकी समिति के संयोजक हरिभद्र आचार्य ने बताया कि दो वर्ग किलोमीटर के एक ग्रिड में दोनों दिशाओं से एक-एक जोड़ी कैमरे लगाए जाएंगे। ब्लॉक का क्षेत्र बड़ा होने के कारण इसे तीन खंडों में विभाजित कर क्रमशः कैमरे स्थानांतरित करते हुए गणना की

जाएगी। यहां 800 से 900 तक ग्रिड हैं। 250 से 300 ग्रिड वाले एक खंड के लिए लगभग 500 से अधिक कैमरों की आवश्यकता होगी। कैमरों की सीमित उपलब्धता के कारण एक खंड का कार्य पूरा होने के बाद ही अगले खंड में गणना शुरू की जाएगी। इस ब्लॉक की गणना पूरी होने में दो महीने से अधिक समय लगने का अनुमान है। बांके-बर्दिया ब्लॉक को पांच खंडों में बांटा गया है। बर्दिया और बांके में दो-दो तथा दांग में एक खंड बनाया गया है। लगभग 800 ग्रिड को पांच खंडों में विभाजित कर बर्दिया खंड से गणना शुरू की जाएगी। राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण कोष (एनटीएनसी) बर्दिया के प्रमुख अजित तुम्बाहाम्फे के अनुसार इस ब्लॉक के लिए लगभग 500 स्वचालित कैमरों की आवश्यकता है।

सीरिया में आईएसआईएस के हमले में मारे गए दो सैन्य अधिकारी अमेरिका के

एजेंसी

वाशिंगटन। सीरिया में इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवेंट या इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) के हमले में मारे गए तीन लोगों में दो की पहचान अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के रूप में हुई है। यह हमला सीरिया के पाल्मायरा में सप्ताहांत में हुआ। सेना ने कहा कि आतंकवादी समूह के हमले में दो अमेरिकी सैनिक सार्जेंट एडगर ब्रायन टोरेस-टोवर (25) डेस मोइनेस, आयोवा और सार्जेंट विलियम नथानिएल हॉवर्ड (29) मार्शलटाउन, आयोवा के रूप में हुई है। दोनों आयोवा नेशनल गार्ड के सदस्य थे। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले में एक दुभाषिया भी मारा गया। पेंटागन ने कहा कि शनिवार के हमले में आईएसआईएस एक बंदूकधारी ने दो सैनिकों और दुभाषिया पर घात लगाकर हमला किया। आयोवा के गवर्नर किम रेनॉल्ड्स ने सोशल मीडिया पर लिखा, सार्जेंट हॉवर्ड और सार्जेंट टोरेस-टोवर ने राष्ट्र के सम्मान के लिए अपना सर्वोच्च

बलिदान कर दिया। हम उनकी सेवा के लिए आभारी हैं और गहरा शोक व्यक्त करते हैं। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल के अनुसार, इस हमले में तीन अन्य अमेरिकी सैनिक घायल हो गए और हमलावर को मार गिराया गया। पेंटागन के एक अधिकारी का कहना है कि सीरिया में आईएसआईएस का मुकाबला करने के लिए वर्तमान में लगभग 1,000 अमेरिकी सैनिक हैं। इस हमले के बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रम्प ने बहुत गंभीर जवाबी कार्रवाई का वादा किया। शनिवार को आर्मी-नेवी फुटबॉल खेल के लिए व्हाइट हाउस छोड़ने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, हम सीरिया में तीन महान देशभक्तों के नुकसान पर शोक व्यक्त करते हैं। पिछले साल राष्ट्रपति बशर अल असद के पतन के बाद सीरिया में अमेरिकी सैनिकों पर यह पहला हमला है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि सीरिया के नए राष्ट्रपति अहमद अल-शरा इस हमले से आहत हैं। उल्लेखनीय है कि सीरिया में आईएसआईएस जून 2014 से सक्रिय है।

नेपाल में बनी स्वदेशी इलेक्ट्रॉनिक 'राम-लक्ष्मण' वोटिंग मशीन का प्रयोग करेगी ओली की पार्टी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में दो उद्यमी भाइयों ने एक इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का आविष्कार किया है जिसका प्रयोग पहली बार नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) (नेकपा-एमाले) अपने 11वें राष्ट्रीय महाधिवेशन में मतदान के लिए करने जा रही है। यदि यह प्रयोग सफल रहा तो इसका उपयोग आम चुनाव में करने विचार किया जा सकेगा। नेकपा एमाले केंद्रीय निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष विजय सुब्बा ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महाधिवेशन के लिए कुल 100 इलेक्ट्रॉनिक 'राम-लक्ष्मण' वोटिंग मशीनें लाई गई हैं, जिनमें से 80 मशीनों का प्रयोग मतदान में किया जाएगा। सुब्बा के अनुसार, एक मतदाता को मतदान करने में कम से कम 25 से 30 मिनट लगेंगे। महाधिवेशन में कुल 2,263 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। राम-लक्ष्मण इनोवेशन प्रा. लि. के संचालक

लक्ष्मण रिमाल ने बताया कि 10 मशीनें अभ्यास (डेमो) के लिए तथा 10 अतिरिक्त मशीनें रखी गई हैं। इससे पहले, वर्ष 2021 में सौराहा में आयोजित 10वें महाधिवेशन में भी इलेक्ट्रॉनिक मशीनों के माध्यम से मतदान किया गया था।रिमाल बंधुओं द्वारा विकसित यह मशीन 'ऑफलाइन सिस्टम' पर आधारित है, जिसके कारण इसे हैक नहीं किया जा सकता, ऐसा उनका दावा है। उनके अनुसार, मतदान के बाद प्रमाण के रूप में मशीन से प्रिंटेड कागज निकलता है, जिसे यदि मामला अदालत तक जाता है तो अदालत द्वारा मान्य किया जा सकता है। मशीन में डिजिटल हस्ताक्षर होते हैं और मतदान का रिकॉर्ड मशीन में दो स्थानों पर सुरक्षित रहता है। अनुसंधानकर्ता लक्ष्मण रिमाल ने बताया कि उनके द्वारा बनाई गई मशीन से मतदान तेज़ी से होता है, मत रद्द होने की संभावना बिल्कुल नहीं रहती, और मतगणना भी केवल एक बटन क्लिक करते ही तुरंत पूरी होकर परिणाम सार्वजनिक हो जाता है। अनुसंधानकर्ता भाई राम-लक्ष्मण रिमाल की इच्छा है कि उनके द्वारा विकसित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को देश के किसी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में भी प्रयोग करने का अवसर मिले। लक्ष्मण रिमाल ने कहा, 'मतदाताओं को अलग से मतदाता शिक्षा की आवश्यकता नहीं पड़ती। न केवल बुजुर्गों बल्कि दिव्यांग व्यक्तियों के लिए भी मतदान आसान हो जाता है।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची में 5.2 तीव्रता का भूकंप

एजेंसी

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची और आसपास का इलाका सोमवार देररात भूकंप से हिल गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 मापी गई। भूकंप के झटके कराची के अलग-अलग हिस्सों में महसूस किए गए। भूकंप के झटकों से चुंदरीगर रोड, सदर, क्लिफ्टन, टीपू सुल्तान रोड, पहलवान गोठ और बहरिया टाउन में हड़कंप मच गया। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए और पवित्र कुरान की आयतें पढ़ने लगे। भूकंप की वजह से कराची के किसी भी हिस्से से जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र (इस्लामाबाद) के अनुसार, भूकंप का केंद्र कराची से 87

किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में 12 किलोमीटर की गहराई पर रहा। इससे पहले, बलूचिस्तान प्रांत में सिबी और उसके आसपास के इलाकों में रिक्टर स्केल पर 3.2 तीव्रता का भूकंप आ चुका है। भूकंप का केंद्र सिबी से 53 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में 11 किलोमीटर की गहराई पर था। उल्लेखनीय है कि अरब सागर के तट पर स्थित कराची पाकिस्तान का सबसे बड़ा शहर है। यह पाकिस्तान का प्रमुख औद्योगिक और वित्तीय केंद्र होने के साथ-साथ मुख्य बंदरगाह भी है ।इसे पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कहा जाता है। भारत के विभाजन के बाद1947 से 1959 तक पाकिस्तान की राजधानी कराची रही। बाद में राजधानी को इस्लामाबाद स्थानांतरित कर दिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी और शाह अब्दुल्ला द्वितीय आज अम्मान में भारत-जॉर्डन व्यापार सम्मेलन को करेंगे संबोधित

एजेंसी

अम्मान। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय इब्न अल हुसैन आज यहां भारत-जॉर्डन व्यापार सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सम्मेलन में दोनों देशों के प्रमुख व्यवसायी शामिल होंगे। अगर मौसम ठीक रहा तो प्रधानमंत्री मोदी जॉर्डन के युवराज के साथ पेत्रा शहर का दौरा भी करेंगे। पेत्रा भारत के साथ प्राचीन व्यापारिक संबंधों को साझा करने वाला ऐतिहासिक शहर है। अब्दुल्ला द्वितीय के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय यात्रा पर कल जॉर्डन पहुंचे। शाह ने मोदी का हुसैनीया पैलेस में जोरदार स्वागत किया। यहां प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत से पहले दोनों के बीच आमने-सामने की बैठक हुई। दिल्ली अम्मान का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। भारत और जॉर्डन के बीच मजबूत आर्थिक संबंध हैं और दोनों के बीच 2.8 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार है। जॉर्डन भारत को उर्वरकों, विशेष रूप से फॉस्फेट और पोटाश का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता भी है। जॉर्डन में 17,500 से अधिक भारतीय प्रवासी रहते हैं। इनमें से अधिकतर कपड़ा, निर्माण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में कार्यरत हैं। प्रधानमंत्री मोदी के तीन देशों की चार दिवसीय यात्रा का पहला पड़ाव जॉर्डन है। यहां का दौरा पूरा कर वह इथियोपिया और ओमान भी जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा, '' अम्मान में शाह अब्दुल्ला द्वितीय के साथ उपयोगी बातचीत हुई। जीवंत भारत-जॉर्डन संबंधों के प्रति उनकी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता सराहनीय है। इस साल, हम अपने द्विपक्षीय राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। यह मील का पत्थर हमें आने वाले समय में नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहेगा।'' उन्होंने कहा, ''जॉर्डन के साथ संबंधों को और गहरा करने के लिए आठ सूत्री दृष्टि पत्र साझा किया है। इसमें शामिल हैं-(1) व्यापार और आर्थिक सहयोग, (2)उर्वरक और कृषि, (3) सूचना प्रौद्योगिकी, (4) स्वास्थ्य सेवा, (5) बुनियादी ढांचा,(6) महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज, (7) नागरिक परमाणु सहयोग (8) लोगों के बीच संबंध। '' इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी और जॉर्डन के शाह ने मुलाकात करने के दौरान द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की तथा पारस्परिक महत्व के क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने शाह अब्दुल्ला द्वितीय से कहा, ''हम व्यापार, उर्वरक, डिजिटल प्रौद्योगिकी, अवसंरचना और लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में अपना सहयोग जारी रखेंगे।'' मोदी ने कहा कि दोनों देशों की आतंकवाद के खिलाफ साझा और स्पष्ट सोच है। प्रधानमंत्री ने गाजा मुद्दे पर शाह अब्दुल्ला द्वितीय की सक्रिय और सकारात्मक भूमिका की सराहना की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, ''आपने भारत-जॉर्डन संबंधों को नयी ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए बेहद सकारात्मक विचार साझा किए। मैं आपकी मित्रता और भारत के प्रत गहरी प्रतिबद्धता के लिए हृदय से धन्यवाद देता हूं।''

संघर्षविराम की संभावना बढ़ी : जर्मनी-यूक्रेन वार्ता में दिखी नई कूटनीतिक गति

एजेंसी

बर्लिन। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने बर्लिन में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यूक्रेन युद्ध को लेकर उभरती कूटनीतिक पहल और संभावित शांति प्रक्रिया पर अपने-अपने रुख स्पष्ट किए।

चांसलर मर्ज ने वार्ता को 'उत्पादक' बताते हुए कहा कि यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की दिशा में उल्लेखनीय राजनयिक गति देखने को मिल रही है। उनके अनुसार, भले ही बातचीत अभी शुरुआती चरण में हो, लेकिन पहली बार ऐसा प्रतीत हो रहा है कि संघर्षविराम की वास्तविक संभावना बन रही है मर्ज़ ने इस नए माहौल का श्रेय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को देते हुए कहा कि उनके निरंतर प्रयासों और सक्रिय भूमिका के बिना यह कूटनीतिक प्रगति संभव नहीं होती। उन्होंने यह भी कहा कि रूस अब भी कठोर और अधिकतम मांगों के जरिए समय खींचने की कोशिश कर रहा है, लेकिन यूरोपीय देश वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चांसलर ने अमेरिका द्वारा प्रस्तावित यूक्रेन के लिए 'कानूनी और भौतिक सुरक्षा गारंटियों' की विशेष रूप से सराहना की और इन्हें शांति प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण बताया। क्षेत्रीय मुद्दों पर मर्ज़ ने स्पष्ट किया कि अपने क्षेत्र की रक्षा करने वाले यूक्रेनी नागरिकों को ही किसी भी संभावित बदलाव पर निर्णय लेने का अधिकार है। राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन चाहता है कि उसके राष्ट्रीय हितों का सम्मान किया जाए और उन्हें यह भरोसा है कि सहयोगी देश उसकी बात सुन रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि किसी भी शांति समझौते के लिए ठोस और प्रभावी सुरक्षा गारंटी अनिवार्य है। जब तक इन गारंटियों पर स्पष्टता नहीं होगी, तब तक सीमाओं और क्षेत्रों से जुड़े फैसलों पर विचार संभव नहीं है। ज़ेलेंस्की ने स्वीकार किया कि क्षेत्रीय मुद्दे यूक्रेन के लिए बेहद पीड़ादायक हैं। इस दौरान यूरोपीय संघ में जमे हुए रूसी परिसंपत्तियों के इस्तेमाल के सवाल पर मर्ज़ ने संकेत दिया कि मौजूदा प्रस्ताव ही ऐसा विकल्प है जिसे यूरोपीय संघ के मतदान नियमों के तहत पारित किया जा सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस सप्ताह होने वाली यूरोपीय परिषद की बैठक में इस मुद्दे पर सहमति नहीं बनती, तो इससे यूरोपीय संघ की विश्वसनीयता और निर्णय लेने की क्षमता को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

एफबीआई ने लॉस एंजेलिस में आतंकी साजिश नाकाम की, नए साल पर धमाकों की थी योजना

वॉशिंगटन। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने कैलिफोर्निया के लॉस एंजेलिस और ऑरेंज काउंटी में बड़े आतंकी हमले की साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी ने बताया कि साजिश के तहत इमिग्रेशन एजेंट्स, उनके वाहनों और अन्य ठिकानों को निशाना बनाने की योजना थी। अटॉर्नी जनरल के अनुसार, 'टर्टल आइलैंड लिबरेशन फ्रंट' नामक एक कट्टरपंथी समूह नए साल की पूर्व संध्या से सिलसिलेवार बम धमाके करने की तैयारी में था। यह समूह खुद को सरकार विरोधी, पूंजीवाद विरोधी और फिलिस्तीन समर्थक बताता है। जांच में सामने आया कि संगठन की योजना कैलिफोर्निया में कई जगहों पर विस्फोट करने की थी, जिसमें आईसीई (इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट) के एजेंट और वाहन भी संभावित लक्ष्य थे। इस मामले में एफबीआई ने चार लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ साजिश रचने और बिना पंजीकरण वाले घातक विस्फोटक उपकरण रखने के आरोप लगाए हैं। अमेरिकी जिला अदालत में दायर शिकायत के अनुसार, आरोपितों की पहचान ऑड्री इलिन कैरोल, जैकरी एरन पेज, डांटे गैफील्ड और टीना लाई के रूप में हुई है। अदालत में पेश शपथ-पत्र में बताया गया कि नवंबर महीने में ऑड्री कैरोल ने एक गोपनीय मुखबिर को 'ऑपरेशन मिडनाइट सन' शीर्षक से आठ पन्नों का हस्तलिखित दस्तावेज सौंपा था।

हांगकांग के मीडिया उद्यमी लाई ची-यिंग को अदालत ने देशद्रोह के आरोप में दोषी ठहराया

एजेंसी

हांगकांग। चीन के प्रमुख आलोचक और हांगकांग के सबसे शक्तिशाली मीडिया उद्यमी लाई ची-यिंग को अदालत ने राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाले अपराधों के कुल तीन देशद्रोह के आरोपों से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराया है। हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र (एचकेएसएआर) सरकार के उच्च न्यायालय की पहली बार सुनवाई करने वाली अदालत से दोषी ठहराए जाने के बाद उन्हें आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। अदालत ने लाई ची-यिंग के अलावा तीन कंपनियों एप्पल डेली लिमिटेड, एप्पल डेली प्रिंटिंग लिमिटेड और एडी इंटरनेट लिमिटेड को भी दोषी ठहराया है।

हांगकांग के अखबार द स्टैंडर्ड और सीएनएन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार आरोपों में राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए किसी विदेशी देश या बाहरी तत्वों के साथ मिलीभगत की साजिश, हांगकांग राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एचकेएनएसएल) के अनुच्छेद 29 और अपराध अध्यादेश की धारा 159 ए और 159 सी, राजद्रोही सामग्री का प्रकाशन करना आदि पर अदालत ने दोषी ठहराया। सजा सुनाने की तारीख अगले साल 12 जनवरी के बाद घोषित की जाएगी। एचकेएसएआर सरकार ने फैसले का स्वागत किया। एचकेएसएआर के मुख्य कार्यकारी जॉन ली ने कहा, लाई ची-यिंग लंबे समय से अपने अखबार एप्पल डेली के माध्यम से सामाजिक टकराव पैदा कर रहे हैं। खुलेआम चीन और एचकेएसएआर के खिलाफ विदेशी प्रतिबंधों की गुहार लगा रहे हैं।उन्होंने देश के मूल हितों और हांगकांग के लोगों की भलाई को नुकसान पहुंचाया है। यह शर्मनाक है। इस केस की सुनवाई 156 दिन में पूरी हुई। इस दौरान लाई ची-यिंग को 52 दिन तक अदालत में मौजूद रहना पड़ा।। सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि अदालत ने पाया कि लाई को कई सालों से पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) के प्रति गुस्सा और नफरत थी। वह बीजिंग का विरोध कर अमेरिका से फायदा उठाना चाहते थे। प्रवक्ता ने इस बात पर जोर दिया कि लाई को हिरासत के दौरान उचित इलाज और मेडिकल देखभाल मिली। जेल में उनके अनुरोध पर ही उन्हें एकांत (तनहाई) में रखा गया। रिपोर्ट के अनुसार अपनी मेहनत से इस मुकाम पर पहुंचे अरबपति 78 वर्षीय लाई पर 2020 में सुरक्षा कानून के तहत आरोप लगाए गए थे। उन्होंने एप्पल डेली की स्थापना की। लोकतंत्र समर्थक इस अखबार को 2021 में जबरन बंद करा दिया गया। लाई ने सभी आरोपों में खुद को बेगुनाह बताया है। उन्हें उम्रकैद की सजा हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आदि वैश्विक नेताओं ने उन्हें दोषी ठहराए जाने के फैसले की आलोचना की है। लाई ब्रिटिश नागरिक हैं। ब्रिटिश सरकार ने उनकी रिहाई की मांग की थी। लंदन में प्रेस कॉन्फ्रेंस में लाई के बेटे सेबेस्टियन ने कहा कि वह अपने पिता की हालत को लेकर बहुत दुखी हैं। ब्रिटेन के विदेश सचिव यवेट कूपर ने फैसले की निंदा करते हुए इसे राजनीति से प्रेरित बताया और कहा कि बीजिंग का राष्ट्रीय सुरक्षा कानून चीन के आलोचकों को चुप कराने के लिए लागू किया गया है। बाद में उन्होंने ब्रिटिश सांसदों को बताया कि विदेश मंत्रालय ने चीनी राजदूत को बुलाकर ब्रिटेन के रुख से अवगत करा दिया है। अदालत में फैसला सुनाए जाते समय लाई पूरे समय शांत दिखे। फैसला आने पर उन्हें अदालत कक्ष से बाहर ले जाया गया। उन्होंने अपना चश्मा उतारा और अपना चेहरा पोंछा। उन्हें 2020 के आखिर में गिरफ्तार किया गया था।2022 में उन्हें धोखाधड़ी के अलग-अलग आरोपों में पांच साल और नौ महीने जेल की सजा सुनाई गई थी। लाई का जन्म चीन में हुआ था और 12 साल की उम्र में वह ब्रिटिश-शासित हांगकांग आ गए।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/17/2025 12:07 AM Page 2

गोबर की लकड़ी बनाने का व्यवसाय

गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय की मांग

गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय की मांग देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी बहुत अधिक होती हैं. दरअसल पेड़ों की लकड़ी का इस्तेमाल करना एक तरीके से पर्यावरण का नुकसान करना ही होता है. इसलिए पेड़ों को काटना गैर कानूनी माना जाता है. ऐसे में कई जगहों पर जैसे बर्फीले क्षेत्रों में आग जलाने के लिए इसकी मांग बहुत अधिक होती है. साथ ही हमारे देश में धार्मिक अनुष्ठान जैसे पूजा पाठ, हवन, अंतिम संस्कार एवं यज्ञ में अग्नि प्रज्वलित करने आदि में भी गोबर से बनी इन लकड़ियों के अलावा गोबर के उपले यानि कंडे का इस्तेमाल भी किया जाता हैं, इसलिए उनमें भी इसकी मांग

बहुत अधिक होती है. इन सभी के अलावा गोबर की लकड़ी ईट के भट्टे बनाने में भी उपयोग में लाई जाती है. अत: आपको इस व्यवसाय को शुरू करने से लाभ की प्राप्ति हो सकती है. यह तकनीक पर्यावरण प्रदूषण को कण्ट्रोल करने में सहायक भी सिद्ध हो सकती है.

गोबर की लकड़ी बनाने का व्यवसाय, विधि, तरीका- मशीनरी, कैसे बनाएं कीमत, प्लांट, लाभ ?

यदि आप शुरू करना चाहते हैं कोई व्यवसाय किन्तु आपके पास ज्यादा पैसे नहीं होने की वजह से यह नहीं कर पा रहे हैं, तो आज हम आपके सामने एक बेहतरीन व्यवसाय की जानकारी लेकर आये हैं, जिसका नाम है गोबर की लकड़ी बनाने का व्यवसाय. अब आप ये सोच रहे होंगे कि ये कैसा व्यवसाय है. तो हम आपको बता दें कि ये एक ऐसा व्यवसाय है, जिसकी बाजार में बहुत अधिक मांग होती हैं किन्तु इसमें लागत बहुत कम लगती है. आप इससे प्रतिमाह 50 हजार रूपये तक की कमाई कर सकते हैं. तो फिर देर किस बात की हैं शुरू करें व्यवसाय और कमायें लाखों रूपये प्रतिवष. 'जी हाँ यदि आप भी इस व्यवसाय को शुरू कर लाभ कमाने में रुचि रखते हैं तो जानें इसकी पूरी प्रक्रिया.

गोबर की लकड़ी बनाने के लिए मशीनरी

गोबर की लकड़ी बनाने के लिए स्वचालित एक मशीनरी की आवश्यकता होती हैं. जोकि आपको 45 हजार रूपये से लेकर 1 लाख रूपये तक के बीच की कीमत में उपलब्ध हो जाती है. यदि आपके घर में इतनी जगह है तो, यह मशीनरी लगाकर आप इस व्यवसाय को कम निवेश में अपने घर से भी शुरू कर सकते हैं. इस मशीन का इस्तेमाल करके 1 किलोग्राम गोबर की लकड़ी कुछ ही सेकेंड में बहुत ही आसानी से बनकर तैयार हो जाती है. आपको बता दें कि गोबर की लकड़ी के व्यवसाय में उपयोग होने वाली मशीनरी गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने में एक अहम भूमिका निभाती है.

गोबर की लकड़ी कैसे बनाएं

गोबर की लकड़ी बनाने के लिए आपको मशीनरी की आवश्यकता होती हैं. जिसमें आपको गाय के गोबर, सूखा हुआ भूसा एवं घास को डालना होता है. और इसके बाद स्वचालित मशीन को ऑन कर दिया जाता हैं, जिससे गोबर की लकड़ी आसानी से बन कर तैयार हो जाती हैं. इसके बाद इसे धूप में भी सुखाया जाता है. जब यह अच्छी तरह से सूख जाएँ, तो फिर यह बाजार में बेचने योग्य बन जाती है. इसके साथ ही आप गाय के गोबर से उपले या कंडे का भी निर्माण कर सकते हैं यह भी काफी उपयोग में लाया जाता है.

गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय के लिए आवश्यक लाइसेंस

गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय को शुरू करने के लिए आपको कुछ लाइसेंस की आवश्यकता हो सकती है जिनकी जानकारी इस प्रकार हैं -

ट्रेड लाइसेंस जब आप किसी व्यवसाय को शुरू करने के लिये सरकार से अनुमति लेते हैं, तो आपको ट्रैड लाइसेंस प्राप्त करना होता है. अत: गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय के लिए ट्रैड लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आपको आवेदन करना होगा.

एमएसएमई रजिस्ट्रेशन ~ यदि आप अपने इस व्यवसाय को एमएसएमई के तहत रजिस्टर करते हैं, तो आपको इससे अपने व्यवसाय को शुरू करने के लिए एवं इसमें उपयोग होने की आवश्यक मशीनरी खरीदने के लिए लोन की सुविधा भी आसानी से प्राप्त हो सकती हैं. इसलिए आप एमएसएमई रजिस्ट्रेशन कराना न भूलें.

प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड से एनओसी - आप चूकी गोबर की लकड़ी बनाने के लिए मशीनरी का इस्तेमाल कर रहे हैं. इसलिए आपको प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड से एनओसी प्राप्त करनी होगी, जोकि नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट होता है.

गोबर की लकड़ी बनाने का व्यवसाय शुरू करने के लिए स्थान का चयन

गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय के लिए आपको ऐसे स्थान की आवश्यकता होगी, जहाँ आप अपने व्यवसाय की मशीनरी को अच्छे से स्थापित कर सकें. और साथ ही बनने वाली गोबर की लकड़ी को धूप में सूखाने जितनी जगह का होना भी आवश्यक है. इसके अलावा आप अपने इस व्यवसाय को स्थापित करने के लिए ऐसे स्थान का चयन कर सकते हैं जोकि शहर से काफी दूर हो. और लोगों को इससे किसी प्रकार की परेशानी न हो.

गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय में कुल लागत

गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय की शुरूआत करते समय एवं मशीनरी खरीदने के लिए कुल मिलाकर 50 हजार रूपये से लेकर 1 लाख रूपये तक की लागत की आवश्यकता पड़ सकती हैं. यदि आपके पास इतनी पूँजी नहीं है तो आपको चिंता करने की बिलकुल भी जरुरत नहीं है. क्योंकि हमारे देश की सरकार किसी भी छोटे व्यवसाय को शुरू करने के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत बहुत ही कम ब्याज दर में लोन प्रदान कर रही है. अत: आप भी सरकार द्वारा दी जाने वाली योजनाओं का लाभ उठा कर एवं इस व्यवसाय में पैसा लगाकर अच्छा खासा मुनाफा कमा सकते हैं.

गोबर की लकड़ी की पैकेजिंग

गोबर की लकड़ी बनने के बाद इसके लिए कोई भी विशेष पैकेजिंग की आवश्यकता नहीं होती है. इसे आप ऐसे ही यानि खुले में ही प्रति किलोग्राम के रूप में बेच सकते हैं. या आप चाहे हैं तो 1 किलोग्राम, 3 किलोग्राम, 5 किलोग्राम एवं 10 किलोग्राम आदि के छोटे - छोटे पैकेट बनाकर भी बाजार में बेच सकते हैं.

गोबर की लकड़ी को कहां बेचें

गोबर की लकड़ी बन जाने के बाद अब बारी आती हैं कि आप इन्हें कहां बेचेंगे, तो हम आपको बता दें कि जिन जगहों पर इसकी सबसे ज्यादा मांग होती हैं, वहां पर इसे बेचना सबसे ज्यादा लाभप्रद हो सकता है. जैसे बर्फीले इलाकों में, धार्मिक स्थानों में, लोगों द्वारा मांग किये जाने पर उनके घरों में एवं ईट का भट्टा बनाने में आदि. यहाँ से आप ऑर्डर लेकर उन्हें अपने उत्पादों को बेच सकते हैं. आप चाहे तो ऑनलाइन भी गोबर की लकड़ी बेच सकते हैं. या फिर ऐसी कंपनियों से सम्पर्क कर सकते हैं जो इस व्यवसाय को करती है. अत: इस व्यवसाय को सुचारू रूप से चलाकर अधिक लाभ कमाया जा सकता है.

गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय की मार्केटिंग

गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय की मार्केटिंग करने से पहले आपको अपने व्यवसाय को एक नाम देना होगा. उस नाम के अनुसार ही आप उसकी मार्केटिंग कर सकते हैं.

मार्केटिंग करने के लिए आप कुछ पैम्पलेट छपवाकर बटवा सकते हैं. साथ ही जहाँ पर इसकी मांग ज्यादा होती हैं वहां पर आप सैंपल भेज सकते हैं. लोगों द्वारा इसे पसंद किये जाने के बाद वे आपको ऑर्डर देंगे. और आप भी उनसे ऑर्डर लेकर उन्हें उच्च गुणवत्ता वाला प्रोडक्ट उपलब्ध कराकर मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं.

गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय से होने वाला मुनाफा

गोबर की लकड़ी 600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बिकती है.

इसलिए इसके व्यवसाय की जब आप शुरुआत करते हैं तो आपको इससे केवल 10 हजार रूपये तक की ही आमदनी हो सकती है. लेकिन जब यह अच्छे से चलने लग जाएँ, तो यही व्यवसाय आपको आधे साल में ही 50 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने का मौका प्रदान करेगा.

क्योकि गोबर के द्वारा निर्मित की गई लकड़ियों की कीमत प्राकृतिक लकड़ियों की तुलना में काफी कम होती हैं. यह व्यवसाय सबसे ज्यादा प्रॉफिट देने वाला व्यवसाय साबित हो सकता है.

अत: इस व्यवसाय की मांग बहुत अधिक और लागत कम लगने की वजह से आपका यह व्यवसाय बहुत जल्दी बढ़ सकता है. और आपको इससे अधिक मुनाफा भी मिल सकता है.

गोबर की लकड़ी का उपयोग किस काम में और क्यों किया जाता है ?

गोबर की लकड़ी का इस्तेमाल आग जलाने के लिए लिया जाता हैं, जोकि प्रकृति को नुकसान नहीं पहुंचाता है.

गोबर की लकड़ी की मांग सबसे ज्यादा कहां होती है ?

गोबर की लकड़ी की मांग बर्फीले इलाकों में आग जलाने के लिए, धार्मिक स्थानों में विभिन्न अनुष्ठान करने जैसे हवन, यज्ञ आदि में अग्नि प्रज्वलित करने के लिए बहुत ज्यादा होती है.

गोबर की लकड़ी बनाने के लिए आवश्यक कच्चा माल

गोबर की लकड़ी बनाने के लिए सबसे आवश्यक कच्चा माल है गोबर, जो कि आपको गाय के माध्यम से प्राप्त हो सकता है. इसके अलावा आपको इसके लिए सूखा भूसा एवं घास भी चाहिए होगा. यह सभी कच्चा माल आपको बहुत ही आसानी से गांव से प्राप्त हो सकता है. इन कच्चे माल के लिए आप कुछ गाय भी रख सकते हैं, जिससे आपको आवश्यक सामग्री के लिए कहीं जाने की आवश्यकता नहीं होगी.

गोबर की लकड़ी बनाने के लिए मशीनरी कहां से प्राप्त कर सकते हैं ?

गोबर की लकड़ी बनाने के लिए उपयोग में लाई जाने वाली मशीनरी को आप ऑनलाइन इंडिया मार्ट जैसी वेबसाइट के माध्यम से खरीद सकते हैं. इसके अलावा यह बाजार में भी आसानी से उपलब्ध हो जाती है. यह कहां से प्राप्त हो सकती हैं, यह आप इस व्यवसाय को करने वाले कुछ लोगों से सम्पर्क करके भी पता कर सकते हैं.

गोबर की लकड़ी की कीमत क्या है ?

गोबर की लकड़ी की कीमत की बात करें तो यह बाजार में 600 रूपये प्रति क्विंटल में बिकती हैं.

गोबर की लकड़ी बनाने के व्यवसाय में कितना मुनाफा हो सकता है ?

गोबर की लकड़ी बनाने के लिए व्यवसाय से आप प्रतिमाह 50 हजार रूपये की कमाई कर सकते हैं, और आने वाले कुछ साल में यह आंकड़ा लाखों में भी पहुँच सकता है.

ग्रामीण मैदानों के लिए मुख्य खेती-बाड़ी कार्य

तोरिया व सरसों तोरिया दिसम्बर के अंतिम सप्ताह से जनवरी के प्रथम सप्ताह तक आमतौर पर पक जाती है। पकी हुई फसल की कटाई करें तथा समय पर बोई गई सरसों में दाने भरने की अवस्था में यदि वर्षा न हो तथा प्रथम पखवाडे में सिंचाई न की हो तो सिंचाई करना चाहिए।

मटरः समय से बोई गई मटर में फूल आने से पहले एक हल्की सिंचाई कर देना चाहिए। तना छेदक की रोकथाम के लिये बुवाई से पूर्व 3 प्रतिशत कार्बोफ्यूरान की 30 किग्रा. दवा प्रति हैक्टेयर की दर से मिट्टी में मिला देना चाहिए। फसल में भभूतिया रोग के लक्षण दिखने पर घुलनशील गंधक या केराथिन या कार्बेन्डाजिम के दो छिड़काव करना चाहिए। गेरूआ रोग लगने पर जिनेब या ट्राइडेमार्फ या आक्सीकार्बाक्सिन फंफूदनाशी का दो बार छिड़काव करें।

सबिजयों में आवश्यकतानुसार सिंचाई एवं निराई -गुडाई करें।

पौधे को पाले से बचाव के लिए छप्पर या धुए का प्रबन्ध करें।

देर से बोये आलू में सिंचाई कर दें और बोआई के 25 दिन बाद यूरिया की टाप ड्रेसिग करके soil (mitti) चढ़ा दें।

सब्जी मटर में बोआई के 25-30 दिन बाद सम्पूर्ण आवश्यक नाइट्रोजन की आधी मात्रा टाप ड्रेस्रिग के रूप में देनी चाहिए।

कृषि और किसानों के आर्थिक तथा सामाजिक उत्थान के लिए आवश्यक है की खेती-किसानी की विज्ञान सम्मत समसामयिक जानकारियां खेत किसान तक उनकी अपनी मातृ भाषा में पहुंचाई जाएं। जब हम खेत खलिहान की बात करते है तो हमें खेत की तैयारी से लेकर पौध सरंक्षण, फसल की कटाई-गहाई और उपज भण्डारण तक की तमाम सूचनाओं से किसानों को अवगत कराना चाहिए। कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए आवश्यक है की समयबद्ध कार्यक्रम तथा नियोजित योजना के तहत खेती किसानी के कार्य संपन्न किए जाए।

उपलब्ध भूमि एवं जलवायु तथा संसाधनों के अनुसार फसलों एवं उनकी प्रमाणित किस्मों का चयन, सही समय पर उपयुक्त बिधि से बुवाई, मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित पोषक तत्त्व प्रबंधन, फसल की क्रांतिक अवस्थाओं पर सिंचाई, पौध संरक्षण के आवश्यक उपाय के अलावा समय पर कटाई, गहाई और उपज का सुरक्षित भण्डारण तथा विपणन बेहद जरूरी है।

हेमन्त ऋतु के माह दिसम्बर यानी मार्गशीर्ष-पौष में तापक्रम काफी कम हो जाता है, इसलिए ठंड बढ़ जाती है। सापेक्ष आद्रता मध्यम एवं वायुगति शांत रहती है। इस माह औसतन अधिकतम एवं न्यूनतम तापक्रम क्रमशः 27 एवं 10.1 डिग्री सेन्टीग्रेड होता है। वायु गति 4.2 किमी प्रति घंटा के आस-पास होती है। कुछ स्थानों में कोहरा-पाला पड़ने की संभावना रहती है।

फसलोत्पादन

गेहूँ- यदि गेहूँ की बुवाई अब तक न कर सके हों तो इस महीने के पहले पखवाड़े तक अवश्य कर लें। इस समय की बुवाई के लिए पिछेती किस्मों का चयन करें। प्रति हक्टेयर 100 ह्यद्व 125 किलोग्राम बीज प्रयोग करें। देर से बोये गेहूँ की बढ़वार कम होती है और कल्ले भी कम निकलते हैं। इसलिए प्रति हेक्टेयर बीज दर बढ़ाकर 125 किग्रा कर लें ।

इस समय बोआई के लिए राज 3765, डी.बी.डब्लू-16 ityadi प्रजातियाँ उपयुक्त हैं।

प्रमाणित अथवा अपनी प्रजाति का सत्य और शोधित बीज ही बोयें। यदि बीज शोधित न हो तो प्रति किलोग्राम बीज को 2 ग्राम कैप्टान अथवा 2.5 ग्राम थायरस से शोधित कर लें।

बोआई कतारों मे हल के पीछे कूड़ों में या फर्टीसीड ड्रिल से करें। बुवाई कतारों में 15-18 सेमी की दूरी पर करें।

अगर खेत में जस्ते की कमी हो, तो बोआई के समय प्रति हेक्टेयर 25 किग्रा जिंक सल्फेट का प्रयोग करें।

गेहूँ की बोआई के 20-25 दिन पर 5-6 सेंमी की पहली सिंचाई ताजमूल अवस्था पर और दूसरी सिंचाई 40-45 दिन पर कल्ले निकलते समय करें। तथा 15-20 दिन के अन्तराल से सिंचाई करते रहें.

समतल खेत में सिंचाई के पहले, वरना सिंचाई के 4-6 दिन बाद नाइट्रोजन की टाप ड्रेसिगं कर दें। इसमें दरे न करें।

बलुई दोमट भूमि में नाइट्रोजन की शेष मात्रा दूसरी सिचांई के समय आवश्यक होगी। पूर्व में बोये गये गेंहू में नाइट्रोजन की शेष मात्रा दें । शरद ऋतु की वर्षा होने पर असिंचित गेंहू में नाइट्रोजन धारी उर्वरक सिफारिस अनुसार गेंहू की कतारों में दे।

बुवाई से 30 दिन के अन्दर एक बार निराई-गुड़ाई कर खरपतवार निकाल दें। चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों की रोकथाम के लिए 2,4-डी सोडियम साल्ट 80 प्रतिशत 625 ग्राम प्रति हे. दवा को बुवाई के 35-40 दिन के अन्दर एकसार छिड़काव करें। गेंहू के प्रमुख खरपतवार गेंहूँसा और जंगली जई की रोकथाम के लिए आइसोप्रोटूरान की 0.75 सक्रिय तत्व 30-35 दिन में या अंकुरण पूर्व पैडीमेथालीन 1.0 किग्रा. सक्रिय तत्व 700-800 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

सल्फोसल्फ्यूरान 75 डब्लू.जी. की 33 ग्राम मात्रा 500-600 ली. पानी में घोलकर पहली सिचांई के बाद, परन्तु 30 दिन के अवस्था से पूर्व छिड़काव करना चाहिए।

सल्फोसल्फ्यूरान का प्रयोग करने पर चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार व गेहूँसा, दोनों का नियंत्रण हो जाता है।

• जौः जौ की पछेती किस्मों की बुवाई करें। एक हैक्टेयर के लिए 100-110 किलो बीज लेकर बुवाई कतारों में 18-20 से.मी. की दूरी पर करें।

उर्वरकों का प्रयोग मृदा परीक्षण के बाद ही करें। समय पर बोई गई फसल में बुवाई के 30-35 se 45-60 दिन बाद पानी लगायें, फिर ओट आने पर गुड़ाई करना काफी फायदेमन्द होगा।

खरपतवार नियंत्रण गेहूँ की भांति करें।

झुलसा रोग की रोकथाम के लिए प्रति हेक्टेयर 2.0 किग्रा जिंक मैगनीज कार्बामेंट को एक हजार लीटर पानी में घोलकर 10 दिन के अन्तर पर दो बार छिड़काव करें।

• टमाटर की उन्नत किस्मों में व संकर असीमित बढवार वाली किस्मों के लिए नाइट्रोजन यूरिया की प्रथम टाप ड्रेसिंग रापाई के 20-25 दिन बाद तथा इतनी ही मात्रा की दूसरी टाप ड्रेसिंग रोपाई के 45-50 दिन बाद करनी चाहिए।

टमाटर की ग्रीष्म ऋतु की फसल के लिए पौधशाला में बीज की बोआई कर दें।

एक हेक्टेयर खेत की रोपाई के लिए टमाटर की उन्नत किस्मों की 350-400 ग्राम और संकर किस्मों की 200-250 ग्राम बीज की आवश्यकता पड़ती हैं।

लहसुन की फसल में आवश्यकतानुसार निराई-गुड़ाई तथा सिंचाई करें एवं यूरिया की प्रथम टाप ड्रेसिंग बोआई के 40 दिन बाद व इतनी ही मात्रा की दूसरी टाप ड्रेसिंग बोआई के 60 दिन बाद कर दें ।

प्याज में खेत की तैयारी के समय रोपाई से तीन-चार हफ्ते पहले प्रति हेक्टेयर 250-300 कुन्टल गोबर की सड़ी खाद या 70-80 कुन्टल नादेप कम्पोस्ट मिला दें। फिर रोपाई के पहले नाइट्रोजन, फास्फेट एवं पोटाश का प्रयोग करें।

प्याज की रोपाई के लिए 7-8 सप्ताह पुरानी पौध का प्रयोग करें। प्याज की रोपाई 15म10 सेंटीमीटर की दूरी पर करें। प्याज में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के दो-तीन दिन बाद पेन्डीमेथेलीन की 3.3 लीटर मात्रा 1000 लीटर पानी में धोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

पालक व मेथी में पतितयों की प्रत्येक कटाई के बाद यूरिया की टाप ड्रेसिंग एवं सिचाई करें।

धनिया के पौधे 3-4 सेंटीमीटर के हो जाने पर नाइट्रोजन (यूरिया) की टाप ड्रेसिंग कर दें । नाइट्रोजन (यूरिया) की दूसरी टाप ड्रेसिंग पहली टाप ड्रेसिंग के 20-25 दिन बाद करें।

टमाटर एवं मिर्च में झुलसा रोग से बचाव के लिए मैंकोजेब 0.2 प्रतिशत (2 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करें।

मसूरः मसूर की पछेती बुवाई इस माह भी कर सकते हैं। इसके लिए 50-60 किलो बीज प्रति हैक्टेयर डालें। बोने से पहले बीजोपचार करें।

नाइट्रोजन तथा फॉस्फोरस प्रयोग करना चाहिए। बुवाई कूड़ों में 15-20 से.मी. दूरी पर करनी चाहिए। पूर्व में बोई गई फसल में फूल-फली बनते समय सिंचाई करें।

फलों की खेती

आम आवश्यकतानुसार पौधों में नियमित सिंचाई करें. मधुआ कीट एवं पाउडरी मिल्ड्यू के नियंत्रण के लिए मंजर निकलने के समय बैविस्टिन या कैराथेन (0.2 प्रतिशत) तथा मोनोक्रोटोफ़ॉस या इमिडाक्लोप्रिड (0.05 प्रतिशत) का पहला एहतियाती छिड़काव करें.

आम तथा लीची में मिलीबग की रोकथाम के लिए प्रति वृक्ष 250 ग्राम मिथाइल पैराथियान का बुरकाव पेड़ के एक मीटर के धेरे में कर दें। फिर पेड़ के तनेपर जमीन से 30-40 सेन्टीमीटर की ऊचाई पर 400 गेज वाली एल्काथीन की 30 सेन्टीमीटर चौड़ी पटटी सुतली आदि से कसकर बांध दें और उसके दोनों सिरों पर गीली मिट्टी या ग्रीस से लेप कर दें। पेड़ पर मिली बग का प्रकोप नही होगा।

लीची मंजर आने के 30 दिन पहले पौधों पर जिंक सल्फेट (2 ग्रा./लीटर) के घोल का पहला एवं 15 दिन बाद दूसरा छिड़काव करने से मंजर एवं फूल अच्छे होते है.

पपीता वृक्षारोपण के छ- महीने के बाद प्रति पौधा उर्वरक देना चाहिए . नाईट्रोजन, फ़ॉस्फोरस, पोटाशियम तीनों उर्वरक 2-3 खुराक में वृक्ष लगाने से पहले फूल आने के समय तथा फल लगने के समय दे देना चाहिए. **अमरुद** फल-मक्खी के नियंत्रण के लिए साइपरमेथ्रिन 2.0 मि.ली./ली. या मोनोक्रोटोफ़ॉस 1.5 मिली./ली. की दर से पानी में घोल बनाकर फल परिपक्कता के पूर्व 10 दिनों के अंतर पर 2-3 छिड़काव करें. प्रभावित फलों को तोड़कर नष्ट कर देना चाहिए तथा बगीचे में फल मक्खी के वयस्क नर को फंसाने के लिए फेरोमोन ट्रेप लगाने चाहिए.

बरसीम,लूर्सन एवं जईः बुवाई के 45-

50 दिन बाद इन चारा फसलों की प्रथम कटाई कर लेना चाहिए। इसके बाद 25-30 दिन के अन्तराल से कटाई करते रहें। भूमि सतह से 5-7 से.मी. की ऊंचाई पर कटाई करें। कटाई के तुरन्त बाद सिंचाई कर देना चाहिए। गर्मी में पशुओं के लिए लूर्सन व बरसीम चारे का संरक्षण करें।

गन्नाः शरदकालीन गन्ने में नवम्बर के द्वितीय पखवाड़े में सिंचाई न की गई हो तो

सिंचाई करके निराई-गुड़ाई करें। शरदकालीन गन्ने के साथ राई व तोरिया की सह फसली खेती में आवश्यकतानुसार सिंचाई करके निराई-गुड़ाई लाभप्रद होता है। गेंहूँ के साथ सह-फसली खेती में बुवाई के 20-25 दिन बाद प्रथम सिंचाई करें । गेंहूँ के लिये 30 किग्रा नाइट्रोजन प्रति हैक्टेयर की दर से ट्रापडेसिंग के रूप में प्रयोग करें। बसंतकालीन गन्ने की बुवाई हेतु खेत तैयार करें।

आलू आलू लाही रोग के नियंत्रण हेतु रोपाई के 45 दिन बाद फसल पर 0.1 टक्के रोगर या मेटासिस्टोक्स का घोल 2-3 बार 15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिये. पिछात आलू में दिसम्बर तथा जनवरी माह में अधिक ठंड की आशंका होने पर फसल की सिंचाई कर देनी चाहिये . जमीन भिगी रहने पर पाला का असर कम हो जाता है .